RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः269, गुरुवार, 09 अक्टूबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

बिहार विधान सभा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित 03

ग्रामीणों ने विद्यालय में किया हंगामा, पुलिस ने पहुंचकर कराया मामला शांत 04

शरवरी वाघ ने दशहरे पर शुरू की इम्तियाज अली की फिल्म की शूटिंग 07

यात्री अब बदल सकेंगे कंफर्म टिकट की भी तारीख

यात्रीगण कृपया ध्यान दें! रेलवे देने जा रहा बड़ी सौगात

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेलवे ने यात्रियों को बड़ी सहूलियत देने वाला फैसला लिया है। इस फैसले से उन यात्रियों को राहत मिलेगी, जिनका ट्रैवेल प्लान आखिरी वक्त में बदल जाता है। ऐसे यात्री कंफर्म टिकट की तारीखों में बदलाव करके यात्रा कर सकते हैं। रेलवे इसके लिए नई पॉलिसी लेकर आ रहा है। बता दें कि अभी तक कंफर्म टिकट की तारीखों में बदलाव की गुंजाइश नहीं थी। इससे यात्रियों को दोहरा नुकसान उठाना पड़ता था। पहले तो कंफर्म टिकट कैंसिल कराने में पैसे कट जाते थे। इसके अलावा इस बात की भी गुंजाइश बहुत कम रहती थी कि अगली तारीख का टिकट कंफर्म ही मिलेगा। अभी तक कंफर्म टिकटों की तारीख बदलने का नियम नहीं है। अभी के

नियमों के मुताबिक जिस दिन यात्रा करनी है, उसके 48 से 12 घंटे पहले अगर टिकट रद्द कराया जाता है तो किराए की 25 फीसदी राशि कट जाती है। यह समय जैसे-जैसे कम होता जाता है, कैंसिलेशन फीस बढ़ती जाती है।

अगर चार्ट तैयार हो गया है तब तो टिकट का पूरा पैसा ही कट जाता है लेकिन रेलवे का नया नियम लागू होने के बाद ऐसा नहीं होगा। नए नियम लागू होने के बाद रेलवे के कंफर्म टिकटों को भी री-शिड्यूल किया जा सकेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस संबंध में जानकारी दी है। इसे उदाहरण से समझें।

मान लीजिए किसी यात्री को 25 अक्टूबर को यात्रा करनी है लेकिन किसी वजह से उसे अपनी यात्रा की तारीख बदलनी पड़ती है। अब मान लीजिए उसे 30 अक्टूबर को यात्रा करनी है। इसके लिए यात्री अपने कंफर्म टिकट की तारीख में ऑनलाइन बदलाव कर सकता है। नई व्यवस्था जनवरी 2026 से लागू होगी। हालांकि इसमें एक पेच भी है।

एफआईआर में नाम, रिश्वत का आरोप और एक वीडियो

- **आईपीएस पूरन कुमार की खुदकुशी मामले पर उठ रहे सवाल**

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या के मामले में कई सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल एक रिश्वत का केस सामने आया है, जिसे लेकर आरोप लग रहे हैं कि वाई पूरन कुमार को इस स्थिति तक पहुंचने के लिए मजबूर किया गया। सबसे ज्यादा चर्चा एक एफआईआर को लेकर है, जिसमें वाई पूरन कुमार का नाम भी शामिल कर लिया गया था। इसी को लेकर सवाल है कि आखिर सरकार से

मंजूरी लिए बिना ही उनके नाम पर एफआईआर क्यों दर्ज हुई। खुदकुशी करने वाले आईएएस का परिवार भी इसे लेकर सवाल उठा रहा है और कहा कि यह आत्महत्या नहीं है बल्कि उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर किया गया। यह मामला रोहतक के एक शराब कारोबारी से जुड़ा है, जिसने वाई पूरन कुमार के गनर सुशील कुमार के खिलाफ 2.5 लाख रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में एफआईआर कराई थी।

60 करोड़ जमा करें तभी जा पाएंगी विदेश

मुंबई (एजेंसी)। शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा यदि विदेश जाना चाहते हैं तो उन्हें पहले 60 करोड़ रुपये की रकम जमा करनी होगी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने यह आदेश दिया है।

- **फ्रॉड केस में शिल्पा शेट्टी पर हाईकोर्ट का पारा 'हाई'**

शिल्पा शेट्टी और उनके पति ने अदालत से कहा था कि वे अमेरिका के लॉस एंजिलिस एवं अन्य देश जाना चाहते हैं।

इस पर अदालत ने कहा कि उनके जाने पर कोई रोक नहीं है, लेकिन पहले 60 करोड़ रुपये जमा करने होंगे। दरअसल दंपति पर आरोप है कि उन्होंने एक कारोबारी से 60 करोड़ रुपये लिए और उसे नहीं लौटाया। कारोबारी दीपक कोठारी का आरोप है कि शिल्पा और राज कुंद्रा ने उनसे कारोबार के नाम पर यह रकम ली, लेकिन इसे अपने निजी खर्च में इस्तेमाल किया।

शिल्पा शेट्टी के घर सोमवार को ही आर्थिक अपराध शाखा की टीम पहुंची थी और उनसे 5 घंटे तक इस मामले में पूछताछ हुई थी। अधिकारियों ने इस दौरान कुछ दस्तावेज भी चेक किए थे। शिल्पा शेट्टी की ओर से कहा गया था कि वह जांच एजेंसी को सहयोग करने के लिए तैयार हैं और हर बात के जवाब दिए हैं। यह मामला उनकी कंपनी पुरानी ऐड कंपनी बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड से जुड़ा है। उनका कहना है कि मैंने एजेंसी को सभी दस्तावेज दिए हैं और कहा है कि वे जो भी कहेंगे, उसमें सहयोग के लिए मैं तैयार हूं। यह पहला मामला नहीं है, जब शिल्पा शेट्टी और उनके पति को कानूनी विवाद झेलना पड़ा है। इससे पहले 2021 में राज कुंद्रा को पोर्नोग्राफी के एक केस में अरेस्ट किया गया था।

मुंबई हमले का जवाब देना चाहती थी अपनी सेना

- **पीएम मोदी बोले-कांग्रेस ने विदेशी दबाव में रोक दिया**

चिदंबरम का जिक्र करके मुंबई में कर दिया बड़ा अटैक

मुंबई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के दौरे में बुधवार को बहु प्रतीक्षित नवी मुंबई एयरपोर्ट के साथ मुंबईवासियों को मेट्रो 3 की सौगात दी। पीएम मोदी ने इसके बाद मुंबई वन एप का भी शुभारंभ किया। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाने पर लिया। पीएम मोदी ने कहा मुंबई भारत का अहम शहर है, इसलिए आतंकियों ने हमले के लिए मुंबई को चुना था, लेकिन 26/11 बाद मुंबई हमले के बाद कांग्रेस ने कमजोरी का मैसेज दिया। उसने आतंकवाद के सामने घुटने टेकने का सबूत दिया। पीएम मोदी ने कहा कि हाल ही में कांग्रेस के बड़े नेता (चिदंबरम) जो गृह मंत्री रह चुके हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि मुंबई हमले के बाद सेनाएं पाकिस्तान पर हमला करने को तैयार थीं। तब कांग्रेस ने किसी दूसरे देश के दबाव में पाकिस्तान पर हमला रोक दिया था। पीएम ने कहा कि कांग्रेस को बताना होगा कि वह कौन था, जिसने ऐसा करने से रोक दिया।

- **गरीबों का सशक्तीकरण आज देश की प्राथमिकता है**–गरीब हो मिडिल क्लास हो इनका सशक्तीकरण आज देश की प्राथमिकता है। इन परिवारों को सुविधा–सम्मान देना उनका सामर्थ्य बढ़ाता है। जीएसटी रिफॉर्म से जो चीजें सस्ती हुईं उससे भी देश का सामर्थ्य बढ़ा है। मार्केट के आंकड़े बताते हैं, इस बार नवरात्रि में बिक्री के कई साल के रिकॉर्ड टूटे। मेरा आग्रह है कि गर्व से कहो हम स्वदेशी है, स्वदेशी को अपनाएं। हर घर–बाजार का यही मंत्र होना चाहिए। यहां दूसरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट बना। ये एयरपोर्ट इस क्षेत्र को एशिया के सबसे बड़े कनेक्टिविटी हब के रूप में स्थापित करने में बड़ी भूमिका निभाएगा। आज मुंबई को पूरी तरह से अंडरग्राउंड मेट्रो मिली। इससे सफर आसान होगा। ये विकसित होते भारत का प्रतीक है।
- **महाराष्ट्र के किसान यूरोप से जुड़ जाएंगे**–नवी मुंबई एयरपोर्ट प्रोजेक्ट में विकसित भारत की झलक है। कमल के फूल जैसा आकार है। यानी संस्कृति का प्रतीक है। महाराष्ट्र के किसान यूरोप से जुड़ जाएंगे। जिससे उनकी उपज इंटरनेशनल मार्केट में पहुंचेगी। निवेश बढ़ेगा, नए उद्योग और कारखाने लगेंगे।

जयपुर में जहां 200 सिलेंडर फटे, वहां केमिकल का रिसाव

- **पुलिस ने रेस्टोरेंट-ढाबे खाली कराए, जिंदा जल गया था ड्राइवर**

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में 200 सिलेंडर में ब्लास्ट के बाद सुबह रेस्क्यू के दौरान टैंकर से केमिकल का रिसाव हो गया है। पुलिस ने इसके आसपास बैरिकेडिंग करके लोगों को हटा दिया है।

आसपास के रेस्टोरेंट-ढाबे भी खाली कराए गए हैं। मंगलवार देर रात जयपुर-अजमेर हाईवे पर मोखमपुरा में एलपीजी सिलेंडर से भरे ट्रक को केमिकल टैंकर ने टक्कर मार दी थी। इससे आग लग गई और एक-एक करके 200 सिलेंडर फट गए। टैंकर का ड्राइवर रामराज मीणा (35) जिंदा जल गया। 5 लोग घायल हो गए। एलपीजी ट्रक के पास खड़ी 5 गाड़ियां भी जल गईं। हालांकि, टैंकर में भरे केमिकल ने आग नहीं पकड़ी थी। सुबह जब इसे हटाया जा रहा था तभी इसमें से रिसाव शुरू हो गया। केमिकल कौनसा है इसको लेकर अलग-अलग दावे किए गए है। वहीं, करीब 6 घंटे तक बंद रहे हाईवे को पुलिस ने सुबह 4.30 बजे खुलवाया। जानकारी के अनुसार केमिकल से भरा टैंकर गुजरात से जयपुर की ओर आ रहा था।

आजम सपा के दरख्त हैं, उन्हें झूठा फंसाया गया

रामपुर में आजम खान से मिलकर बोले सपा चीफ अखिलेश

रामपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के रामपुर में आजम खान और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की करीब दो घंटे बैठक हुई। इस दौरान सपा अध्यक्ष ने वरिष्ठ नेता आजम खान से मुलाकात के बाद जोरदार बयान देते हुए कहा है कि आजम खान सपा के सबसे पुराने नेताओं में से एक हैं। उनके साथ हुई बैठक सकारात्मक और गहन रही। उन्होंने कहा कि आगे भी इस प्रकार से मुलाकातें और बैठकों का दौर जारी रहेगा। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में

अखिलेश ने आजम खान, उनके परिवार पर लगे मामलों, सपा की राजनीतिक रणनीति और केंद्र एवं राज्य की राजनीति को लेकर कई दावे और आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भाजपा ने आजम खान के राजनीतिक परिवार को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार इस परिवार पर झूठे मुकदमों का गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराने की कोशिश में है। अखिलेश यादव ने कहा कि आजम खान पार्टी के बहुत पुराने नेता हैं।

भारत के लिए आर्कटिक का द्वार खोलेंगे पुतिन

चीन पर लगाम लगाने की तैयारी, बर्फीला मार्ग है खास

मॉस्को (एजेंसी)। वैश्विक भू-राजनीति के बदलते परिदृश्य में, रूस और भारत के बीच सदियों पुरानी दोस्ती एक बार फिर नई ऊंचाइयों को छूने वाली है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दिसंबर में प्रस्तावित भारत यात्रा न केवल द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करेगी, बल्कि आर्कटिक क्षेत्र में एक ऐतिहासिक समझौते की नींव भी रखेगी। यह समझौता नॉर्दर्न सी रूट और संसाधन विकास पर केंद्रित होगा जो भारत को आर्कटिक परिषद में बड़ी भूमिका दिलाने का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। यह कदम न केवल आर्थिक अवसरों के द्वार खोलेगा, बल्कि चीन की बढ़ती आर्कटिक महत्वाकांक्षाओं के बीच रूस के लिए एक रणनीतिक संतुलन भी साबित होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, नई दिल्ली की नॉर्दर्न सी रूट

के विकास में संभावित भागीदारी को लेकर बातचीत चल रही है और संभावना है कि इस साल होने वाले वार्षिक शिखर सम्मेलन में इस दिशा में ठोस परिणाम सामने आ सकते हैं। नॉर्दर्न सी रूट रूस के उत्तरी तट के साथ आर्कटिक महासागर से होकर गुजरता है और पारंपरिक दक्षिणी समुद्री मार्गों की तुलना में करीब 40 फीसदी छोटा है। इस मार्ग से यूरोप और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के बीच तेज, सुरक्षित और किफायती कार्गो परिवहन संभव हो सकेगा। जुलाई 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मॉस्को यात्रा के दौरान दोनों देशों ने आर्कटिक शिपिंग में सहयोग की संभावनाओं को लेकर एक संयुक्त कार्य समूह बनाने पर सहमति जताई थी। यह समूह रूस के विशेष आर्कटिक विकास प्रतिनिधि व्लादिमीर पानोव और भारत के नौवहन मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा की संयुक्त अध्यक्षता में काम कर रहा है। इस कार्य समूह की पहली बैठक अक्टूबर 2024 में नई दिल्ली में हुई, जिसमें आर्कटिक जहाज निर्माण परियोजनाओं में साझेदारी, भारतीय नाविकों को ध्रुवीय नौवहन प्रशिक्षण देने, और एनएसआर पर कार्गो शिपिंग सहयोग के लिए महत्वपूर्ण है।

जुबिन गर्ग की मौत के मामले में बड़ा ऐक्शन

- **चचेरा भाई हुआ गिरफ्तार असम में है डीएसपी**

दिसपुर (एजेंसी)। सिंगर जुबिन गर्ग की मौत के मामले की जांच कर रही असम पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। खबर है कि सीआईडी ने सिंगर के चचेरे भाई संदीपन गर्ग को गिरफ्तार किया है। खास बात है कि संदीपन असम पुलिस में डीएसपी पद पर हैं। वह सिंगर के साथ ही सिंगापुर यात्रा पर गए थे। जुबिन की 19 सितंबर को याच पार्टी के दौरान डूबने के चलते मौत हो गई थी। मीडिया

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस मामले में यह 5वीं गिरफ्तारी है। संदीपन भी जुबिन के साथ सिंगापुर गए थे और यह उनकी पहली विदेश यात्रा थी। खबर है कि वह भी याच पार्टी में थे और घटना के बाद जुबिन से जुड़ी चीजों को भारत लेकर आए थे। अधिकारियों का कहना है कि पांच दिनों की पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया है। असम सीआईडी के एसडीजीपी मुन्ना गुप्ता ने कहा है, आज हमने पूछताछ के बाद संदीपन को गिरफ्तार किया है। चूंकि अभी जांच जारी है इसलिए इससे ज्यादा खुलासा नहीं कर सकते। उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा और पुलिस कस्टडी की मांग की जाएगी। इससे पहले पुलिस ने 2 अक्टूबर को जुबिन के बैंड में शामिल शेखर ज्योति गोस्वामी, अमृतवर्व महंत को गिरफ्तार किया था।

रसायन विज्ञान के लिए नोबेल पुरस्कार का ऐलान

स्टॉकहोम (एजेंसी)। साल 2025 का रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार जापान के सुसुमु कितागावा, ऑस्ट्रेलिया के रिचर्ड रॉबसन और अमेरिका के ओमर एम. यागी को दिया गया है। स्वीडिश रॉयल एकेडमी ऑफ साइंसेज ने यह सम्मान उन्हें मेटल–ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स के विकास के लिए दिया है। यह ऐसे क्रिस्टलीय पदार्थ हैं जो धातुओं और ऑर्गेनिक अणुओं से मिलकर बनते हैं और गैसों, दवाओं और रसायनों के भंडारण और शुद्धिकरण में अहम भूमिका निभाते हैं। इनकी खोज ने सामग्री विज्ञान और रसायन शास्त्र दोनों में नई संभावनाएं खोली हैं। साल 1901 से 2024 के बीच 195 व्यक्तियों को 116 रसायन विज्ञान पुरस्कार दिए गए हैं। वर्ष 2024 का पुरस्कार डेविड बेकर और को मिला था।

पड़ोसी देश तालिबान को मान्यता देने जा रहा भारत!

- *5 दिनों के लिए दिल्ली आ रहे अफगान विदेश मंत्री*
- *आमिर खान मुत्ताकी की यात्रा पाकिस्तान को झटका*

काबुल/नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के तालिबान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी के दिल्ली दौरे से दो दिन पहले ही भारत ने एक बड़ा कदम उठाया है। जिसके बाद इस बात के संकेत मिलने लगे हैं कि तालिबान को मान्यता देने के एक कदम और करीब भारत पहुंच गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि भारत जिस क्षेत्रीय समूह का हिस्सा है, उसने पहली बार तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी को एक सदस्य के रूप में स्वीकार किया है। ये एक बहुत बड़ी घटना है और इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि अब वो दिन दूर नहीं, जब नई दिल्ली अफगानिस्तान के तालिबान शासकों को एक वैध सरकार के तौर पर मान्यता दे दे। दरअसल, रूस की राजधानी मॉस्को में आयोजित 10 देशों के मॉस्को फॉर्मेट बैठक में भारत, चीन और पाकिस्तान सहित कई अन्य देशों की बैठक हुई है। इस बैठक में पहली बार तालिबान के प्रतिनिधि को बतौर आधिकारिक सदस्य के तौर पर शामिल किया गया। भारत ने भी तालिबान के प्रतिनिधि को स्वीकार किया है और ये अफगानिस्तान को लेकर भारत की जियो-पॉलिटिक्स में बहुत बड़े बदलाव का संकेत है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह कदम भारत के तालिबान को डि-फैक्टो यानी परोक्ष मान्यता देने की दिशा में देखा जा रहा है। हालांकि तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी के खिलाफ यूनाइटेड नेशंस सिक्टोरिटी काउंसिल ने अभी भी प्रतिबंध लगा रखा है।

संक्षिप्त समाचार

पटना के बाढ़ में दो पक्षों में गोलीबारी, मारपीट के दौरान फायरिंग का आरोप, चार घायल

पटना। पटना के बाढ़ थाना क्षेत्र के बेढ़ना गांव में मंगलवार रात आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हुई। इस घटना में चार लोग घायल हो गए, जिनमें से एक को गंभीर हालत में पटना के पीएमसीएच रेफर किया गया है। घटना के दौरान गोलीबारी की भी सूचना है, हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। पहले पक्ष के रंजीत पासवान ने आरोप लगाया कि दूसरे पक्ष ने कई राउंड फायरिंग और मारपीट की। इस दौरान वह स्वयं और उनकी पत्नी रिंकू देवी गंभीर रूप से घायल हो गए। रिंकू देवी की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच, पटना भेजा गया है। वहीं, दूसरे पक्ष के राजकुमार पासवान का दावा है कि फायरिंग दूसरे पक्ष द्वारा की गई थी। इस मारपीट में वह और उनकी मां कांति देवी घायल हो गईं। उन्हें इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ग्रामीणों के अनुसार, विवाद ने हिंसक रूप ले लिया था। मारपीट के दौरान कट्टा लहराते हुए एक वीडियो भी वायरल हुआ है। ग्रामीणों ने गोलीबारी की आवाजें भी स्पष्ट सुनने का दावा किया है। दोनों पक्षों की दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि गोलीबारी की घटना नहीं हुई है, बल्कि मारपीट की घटना हुई है।

मुजफ्फरपुर में उफान पर बागमती, सड़क बही, घरों में पानी, अररिया समेत 5 जिलों में बाढ़ जैसे हालात

पटना। बिहार के 26 जिलों में आज यानी बुधवार को बारिश का यलो अलर्ट है। मौसम विभाग के अनुसार, अलर्ट वाले जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। इसके साथ ही 40 KM/H की रफ्तार से हवा चल सकती है। मौसम विभाग ने बिजली गिरने की संभावना के संकेत दिए हैं। लोगों को खेतों में काम करते समय या खुले स्थानों में रहने से बचने की सलाह दी है। हालांकि, नेपाल में हुई बारिश के कारण उत्तर बिहार की कई नदियां उफान पर हैं। इसके कारण प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। कोसी सहित उसकी सहायक नदियां उफान पर हैं। सुपौल के 6 प्रखंड बाढ़ से प्रभावित हैं। करीब 5 हजार घरों में पानी भर गया है। मधुबनी में एक लाख की आबादी प्रभावित हुई है। नेपाल के सरिसवा नदी में आई बाढ़ ने रक्सौल और उसके आसपास के इलाके में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। बाढ़ का पानी निचले इलाके रामगढ़वा, सुगौली, सेमरा, मोतिहारी तक फैल रहा है। मुजफ्फरपुर जिले में बागमती नदी का पानी कई निचले इलाकों में पानी भर गया है। खेत-खलिहान, सड़क-नाले से लेकर घर-आंगन तक हर जगह बाढ़ का असर दिखाई दे रहा है। कटरा प्रखंड में बाढ़ से सड़क भी बह गई है। मुजफ्फरपुर के कुढ़नी प्रखंड के खरौना गांव में मंगलवार को तिरहुत नहर का बांध टूट जाने से चारों ओर हड़कंप मच गया। खेतों में लगी धान की फसल बर्बादी की कगार पर पहुंच गई। देखते ही देखते गांव की गलियों और घरों में पानी घुस गया। कई घरों में दो से तीन फीट तक पानी भर गया, जिससे ग्रामीणों का जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया।

फतुहा पोस्ट ऑफिस में केवाईसी के नाम पर अवैध वसूली, खाताधारकों ने विरोध जताया

पटना। पटना के फतुहा पोस्ट ऑफिस में कर्मचारियों पर केवाईसी (KYC) अपडेट के नाम पर खाताधारक महिलाओं से अवैध वसूली करने का आरोप लगा है। मंगलवार को कई पीड़ित महिलाओं ने पोस्ट ऑफिस के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। पोस्टमास्टर ने मामले की जानकारी होने पर जांच के बाद सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार को फतुहा और आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों महिलाएं अपने खातों को अपडेट कराने के लिए पोस्ट ऑफिस पहुंची थीं। पीड़ितों में फतुहा निवासी रीना देवी, जर्नादनपुर गांव निवासी धनवंती कुमारी और हाजीपुर गांव निवासी अजय कुमार शामिल हैं। उन्होंने बताया कि पोस्ट ऑफिस कर्मियों ने उन्हें केवाईसी अपडेट कराने के लिए 100 रुपए का शुल्क अनिवार्य बताया। कई महिलाओं ने कर्मचारियों की बात मानकर 100 रुपए का भुगतान कर केवाईसी अपडेट करवाया। हालांकि, जब यह बात अन्य ग्राहकों और बाजार में फैली कि केवाईसी के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है, तो ग्राहकों ने इसका विरोध शुरू कर दिया। विरोध कर रहे ग्राहकों ने जब कर्मचारियों से वसूली के बारे में पूछा, तो उन्हें चौंकाने वाला जवाब मिला। पीड़ितों के अनुसार, कर्मचारियों ने बताया कि "ऊपर से ही रुपए लेने का नियम है।" एक ग्राहक ने काउंटर पर बैठे एक अन्य कर्मचारी से बात की तो वसूली की बात और स्पष्ट हो गई। कर्मचारी ने कथित तौर पर बताया कि काउंटर पर केवाईसी करवाने के लिए 50 रुपए और बाहर काम कर रहे व्यक्ति से करवाने के लिए 100 रुपए का शुल्क देना होगा।

मोकामा के कड़रा गांव में वोट बहिष्कार का ऐलान, सड़क नहीं बनने पर नेताओं की एंट्री किया बैन

पटना। पटना के मोकामा में ग्रामीणों ने सड़क की मांग को लेकर मतदान बहिष्कार का फैसला लिया है। गांव में पिछले दो दिनों से ढोल-नगाड़े बजाकर इस फैसले की मुनादी की जा रही है। लगभग तीन हजार से अधिक ग्रामीणों ने नेताओं के गांव में प्रवेश पर रोक लगाने का भी ऐलान किया है। मामला मोकामा विधानसभा क्षेत्र के तारतर पंचायत स्थित कड़रा गांव की है। ग्रामीणों का कहना है कि वे कई सालों से सड़क निर्माण की मांग कर रहे हैं, लेकिन हर बार उन्हें केवल आश्वासन ही मिलता है। पहले से मौजूद सड़क को भी ठेकेदारों ने नया बनाने के नाम पर खोदकर छोड़ दिया है। इससे अब पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। मोकामा-बख्तियारपुर फोरलेन तक पहुंचने के लिए ग्रामीणों को कच्चे रास्तों से होकर जाना पड़ता है। उनका कहना है कि सड़क बन जाने से उन्हें लगभग दस किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। कड़रा गांव का रविदास टोला भी विकास से अछूता है। बारिश के मौसम में यह बस्ती टापू में बदल जाती है। लोगों को बाजार जाने के लिए लगभग पांच सौ मीटर गहरे पानी से होकर गुजरना पड़ता है। साल में करीब तीन महीने ग्रामीण अपने घरों में कैद रहने को मजबूर होते हैं। इस स्थिति के विरोध में ग्रामीणों ने गांव के मेन गेट पर 'रोड नहीं, तो वोट नहीं' के बैनर लगा दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जब तक सड़क का निर्माण कार्य शुरू नहीं होता, तब तक किसी भी नेता को चुनाव प्रचार के लिए गांव में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। ढोल-नगाड़े बजाकर नेताओं के प्रवेश पर प्रतिबंध की घोषणा की जा रही है। दूसरी ओर तारतर पंचायत के अन्य ग्रामीणों ने भी सड़क की खराब स्थिति को लेकर सरकार के प्रति नाराजगी जताई है। तारतर से सम्यागढ़, कड़रा और आसपास के अन्य गांवों तक जाने के लिए भी अच्छी सड़क नहीं है।

सरिया लदी ट्रैक्टर-कार की भिड़ंत दो लोगों की मौके पर ही हुई मौत

एजेंसी, पटना

- दो गंभीर रूप से घायल, निजी अस्पताल में इलाज जारी

पटना के दानापुर में देर रात एक सरिया लदी ट्रैक्टर और चार पहिया गाड़ी में जबरदस्त भिड़ंत हो गई। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का इलाज पटना के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। मृतकों की पहचान जहानाबाद निवासी सुदामा यादव (ट्रैक्टर पर सवार मजदूर) और भोजपुर के भेड़िया गांव निवासी सिम्पु कुमार सिंह (कार ड्राइवर) के रूप में हुई है।

तेज रफ्तार चार कार ट्रैक्टर से टकरायाः यह घटना सगुना-खगौल रोड पर हुई। मृतक सुदामा यादव के सहयोगी विनोद यादव ने बताया कि वे रात 10 बजे पटना के पहाड़ी से सरिया लादकर ट्रैक्टर से निकले थे। देर रात करीब 1 बजे दानापुर के सगुना-खगौल रोड पर पहुंचे थे। तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार चार पहिया गाड़ी ने ट्रैक्टर में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि चार पहिया गाड़ी के परखच्चे उड़ गए।

ट्रैक्टर के पिछले चक्के में दबने से मौतः ट्रैक्टर के इंजन पर दाहिनी ओर बैठे मजदूर सुदामा यादव संतुलन खोकर सड़क पर गिर गए।

इसी बीच ट्रैक्टर का पिछला चक्का उन पर चढ़ गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, चार पहिया गाड़ी चला रहे सिम्पु कुमार सिंह की भी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

घायलों का निजी अस्पताल में इलाज जारीः थानाध्यक्ष सुमन प्रसाद सिंह ने बताया कि, बीती देर रात सगुना खगौल रोड में सरिया लदी ट्रैक्टर और चार पहिया वाहन में भीषण टक्कर हो गई। इस सड़क हादसे में दो व्यक्ति ही मौत हो गई है। वहीं, दो घायल हो गए हैं। घायलों का इलाज पटना के निजी अस्पताल में चल रहा है। सूचना मिलने पर ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए दानापुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस आगे की करवाई में जुट गई है।

पटना में वाहन चेकिंग के दौरान 5 लाख कैश बरामद

एनआईटी घाट के पास जेपी गंगा पथ से पकड़े गए दो संदिग्ध

एजेंसी, पटना

पूछताछ जारी

पटना में वाहन चेकिंग के दौरान 5 लाख कैश के साथ दो संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है। दोनों को पीरबहोर थाना क्षेत्र के NIT घाट के पास जेपी गंगा पथ से पकड़ा गया है। पटना में आगामी चुनाव से पहले वाहन चेकिंग के दौरान इतनी बड़ी रकम पकड़ी गई है।

वाहन चेकिंग के दौरान 5 लाख कैश सहित दो धराएः वाहन चेकिंग के दौरान दोपहर 1:15 बजे वहां से गुजरने वाली गाड़ियों की चेकिंग हो रही थी। इसी बीच एक स्कोर्पियो से चेकिंग के दौरान काले रंग के बैग में 10,20,50,100, 500 के नोट मिले। इसके साथ गाड़ी में दो लोग पटना सिटी के शख्स भी मौजूद थे। पुलिस की पूछताछ में दोनों ने अपना नाम सूचित और विक्रम बताया है। सूचित हिलसा और विक्रम अगमकुआं के रहने वाले हैं। दोनों ने पुलिस की पूछताछ में बताया है कि दीदारगंज स्थिति RB न्यूट्रीशन प्राइवेट लिमिटेड (आटा कंपनी) के कर्मी हैं। विक्रम ने बताया कि, पार्टी को रुपए भेजने थे, इसीलिए दोनों HDFC बैंक में रुपए जमा कराने जा रहे थे। इसी बीच पुलिस ने तलाशी ली और हम दोनों को थाने पर लाया गया।

दूसरी ओर पीरबहोर थाने की पुलिस ने रुपए जब्त कर लिया है। आचार संहिता के चलते 49,000 रुपए से अधिक कैश लेकर चलने पर मनाही है। ऐसे में अब पूरी जांच पड़ताल के बाद ही प्रक्रिया के तहत रूपए वापस किए जाएंगे। पीरबहोर थानेदार सज्जाद गद्दी ने बताया कि, वाहन चेकिंग दौरान 5 लाख रूपए बरामद किए गए हैं। रकम को जब्त कर लिया गया है, जिसकी जांच हो रही है।

पटना एयरपोर्ट पर 'संदिग्ध' महिला, बैग से मिले 3 मोबाइल, माचिस और गुड़िया

एजेंसी, पटना

पटना एयरपोर्ट पर उस समय हड़कंप मच गया, जब सीआईएसएफ (CISF) ने एक संदिग्ध महिला को हिरासत में ले लिया। जानकारी के मुताबिक, यह महिला पिछले तीन दिनों से लगातार एयरपोर्ट परिसर में देखी जा रही थी। उसकी गतिविधियां असामान्य लगने पर सुरक्षा एजेंसियों ने उस पर नजर रखनी शुरू की। आज बुधवार को उसे पूछताछ के लिए रोका गया है। जांच के दौरान महिला के बैग से तीन मोबाइल फोन, माचिस, पूजा का सामान और एक गुड़िया जैसी संदिग्ध वस्तुएं बरामद हुईं। इन वस्तुओं को देखकर सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची एयरपोर्ट थाने की पुलिस ने महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

गर्दनीबाग के झुनझुन मोहल्ले की है निवासीः महिला ने पूछताछ में अपना नाम श्रुति शर्मा बताया है और उसने बताया कि वह पटना के गर्दनीबाग थाना क्षेत्र के झुनझुन मोहल्ले की रहने वाली है। हालांकि, पुलिस को उसके बयानों पर संदेह है क्योंकि वह अपने एयरपोर्ट आने के उद्देश्य को लेकर संतोषजनक जवाब नहीं दे पा रही है।

इसलिए पुलिस अब उसके घर और आस-पड़ोस से भी जानकारी जुटा रही है। साथ ही, जब्त किए गए तीनों मोबाइल फोन की तकनीकी जांच साइबर सेल द्वारा कराई जाएगी। ताकि यह पता चल सके कि वह किससे संपर्क में थी और उसके फोन में क्या डेटा मौजूद है। पटना एयरपोर्ट प्रशासन ने घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया है। फिलहाल महिला से लगातार पूछताछ की जा रही है, और पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि वह पिछले तीन दिनों से एयरपोर्ट पर क्यों घूम रही थी और उसके पास मौजूद वस्तुओं का क्या उद्देश्य था। जांच जारी है।

पटना के कपल का यूपी में मर्डर, गोली मारकर लाश अलग-अलग जंगलों में फेंकी

एजेंसी, पटना

- लड़की के भाई ने शादी का झांसा देकर गुजरात से सोनभद्र बुलाया

पटना के के प्रेमी जोड़े की उत्तर प्रदेश में हत्या कर दी गई है। 21 साल की मुन्नी कुमारी और 21 साल का राजू दोनों 2 साल से एक दूसरे से प्यार करते थे। परिवार को दोनों का रिश्ता मंजूर नहीं था। 5 महीने पहले दोनों घर से भागकर सूरत चले गए थे। लड़के के भाई ने बताया कि लड़की 4 महीने की प्रेग्नेंट थी। राजू के भाई ने बताया कि दोनों को लड़की के भाई ने गुजरात से यूपी के सोनभद्र बुलाया गया फिर गोली मार दी। सोनभद्र जिले के हाथी नाला जंगल से दोनों की बॉडी मिली है। दोनों पटना से सटे नौबतपुर के मोतीपुर गांव के थे। राजू कुमार के भाई मुकेश कुमार ने बताया कि, 26 सितंबर से ही मेरे भाई का मोबाइल स्विच ऑफ था। भाई और उसकी गर्लफ्रेंड का कोई सुराग नहीं मिल पा रहा था। इस बात को लेकर मैंने गुजरात के थाने में केस दर्ज कराया था।

पहला शव- युवती की हत्या के बाद जंगल में फेंका गयाः 24 सितंबर को हाथीनाला थाना क्षेत्र के खोखा तिराहे के पास ग्रामीणों ने एक युवती का शव देखा था। युवती की उम्र करीब 25 वर्ष बताई गई थी। उसके चेहरे पर खून के निशान और सीने पर गोली के घाव थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त के लिए दो मोबाइल नंबर जारी किए थे और सोशल मीडिया के माध्यम से शव की पहचान हो गई।

दूसरा शव- रजखड़ घाटी में मिला मानव कंकालः इसी दिन दोपहर में दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के रजखड़ घाटी के जंगल में मानव कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई। फोरेंसिक टीम को मौके से रीढ़ की हड्डी, जबड़ा, बाल, हाथ में पहना जाने वाला कंगन और नीले व नारंगी रंग की तिरपाल मिली। तिरपाल देखकर शक हुआ कि किसी ने शव को इसमें लपेटकर जंगल में फेंका होगा, जिसे बाद में जंगली जानवरों ने नोच डाला।

भाई ने शादी का झांसा देकर बुलाया, फिर गोली मार दीः पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि लड़की के भाई ने बहन को फोन कर कहा कि 'अब परिवार मान गया है, हम तुम्हारी शादी उसी से करा देंगे।" इस झांसे में आकर युवती अपने प्रेमी के साथ मिर्जापुर के विंध्याचल पहुंची। वहां से दोनों ने एक कार बुक की और सोनभद्र की ओर निकल पड़े। रास्ते में बरकछा मोड़ के पास एक और व्यक्ति को गाड़ी में बैठाया गया। थोड़ी दूरी तय करते ही हाथीनाला के पास दोनों को गोली मार दी गई। इसके बाद युवती का शव हाथीनाला जंगल में और युवक का शव दुद्धी के जंगल में फेंक दिया गया।

आरोपियों की तलाश जारीः पुलिस ने मुख्य आरोपी- युवती के भाई- को गिरफ्तार कर लिया है।उससे पूछताछ जारी है। टीम ने बताया कि हत्याकांड में अन्य दो लोगों की भी संलिप्तता सामने आई है, जिनकी तलाश की जा रही है। दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम कराकर रिपोर्ट को जांच में शामिल कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार यह मामला प्रेम प्रसंग और पारिवारिक विरोध से जुड़ा है। युवती के भाई ने झांसे से बुलाकर दोनों की हत्या की। मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य की तलाश जारी है। जल्द ही पूरा हत्याकांड उजागर किया जाएगा।

सीजेआई घटना पर कांग्रेस सांसद पुनिया का एनडीए पर हमला सरकार और आरएसएस को दलित-पिछड़ा विरोधी बताया

एजेंसी, पटना

- कल राजेश राम ने रोकर जताया था दुख

कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने पटना में एनडीए सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) से जुड़े एक मामले को लेकर सरकार और आरएसएस को दलित विरोधी बताया। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी से सांसद पुनिया ने कहा कि सीजेआई पर जूता उछाला जाना कोई सामान्य घटना नहीं है। उन्होंने इसे आजादी के बाद देश में ऐसी पहली घटना बताया, जो आजाद भारत में पहले कभी सामने नहीं आई। पुनिया ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ रही है, जबकि भाजपा के शासन में समाज में "जूता बांटने" का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह विचारधारा दलितों, वंचितों और पिछड़ों की आवाजों को दबाने का प्रयास करती है।

कांग्रेस सांसद ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, चिराग पासवान और जीतन राम मांझी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि सुप्रीम कोर्ट में इतनी बड़ी घटना होने के बावजूद ये नेता मौन क्यों हैं। पुनिया ने कहा कि दलितों और पिछड़ों पर अत्याचार लगातार बढ़ रहा है, उनकी आवाजें दबाई जा रही हैं और उन्हें न्याय नहीं मिल रहा है। उन्होंने एनसीआरबी के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि दलितों और पिछड़ों के खिलाफ अपराध में उत्तर प्रदेश पहले और बिहार दूसरे स्थान पर है। उन्होंने राहुल गांधी के वंचितों के लिए लगातार संघर्ष करने का भी उल्लेख किया।

CJI मुद्दे पर बिहार कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का छलका दर्दः मंगलवार को पटना के सदाकत आश्रम में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम भावुक हो गए थे, इस दौरान आंखों से आंसू छलक पड़े थे। दरअसल, यह भावनात्मक क्षण तब आया जब उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई पर जूता फेंकने की कोशिश की घटना का जिक्र किया। राजेश राम ने इस घटना को न केवल एक व्यक्ति पर हमला, बल्कि भारत के संविधान, उसकी आत्मा और सामाजिक न्याय के मूल्यों पर सीधा प्रहार बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं उस विचारधारा की मानसिकता को उजागर करता हैं जो दलित और वंचित समाज की प्रगति को सहन नहीं कर पाती।

पटना विश्वविद्यालय, 35 स्टूडेंट्स को गोल्ड मेडल

एजेंसी, पटना

- 109वें स्थापना दिवस समारोह में मिला सम्मान, छात्र बोले- समाज को अच्छी सेवा देना लक्ष्य

पटना विश्वविद्यालय ने बुधवार को अपना 109वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर 2022-2025 बैच के स्नातक के 35 मेधावी विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। इनमें 21 छात्राएं और 14 छात्र शामिल थे, जिनमें से 16 छात्राएं मगध महिला कॉलेज की थीं। विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मूल रूप से एक अक्टूबर को मनाया जाता है। हालांकि, इस बार दुर्गा पूजा की छुट्टियों के कारण समारोह को आठ अक्टूबर को आयोजित करने का निर्णय लिया गया था।

स्नातक की मेधावी छात्रा नूपुर सिंह ने इस सम्मान को गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में गोल्ड मेडल प्राप्त करना खुशी की बात है। नूपुर का अगला लक्ष्य प्रोफेसर बनकर अच्छी शिक्षा प्रदान करना है। मेधावी छात्रा श्वेता कुमारी ने इसे खुशी का पल बताया। उन्होंने कहा कि स्नातक के बाद यह सम्मान मिलना उनके लिए महत्वपूर्ण है। श्वेता का मुख्य उद्देश्य सिविल सेवा के माध्यम से अपने गांव में शिक्षा को बढ़ावा देना है।

वहीं मेधावी छात्र मृत्युंजय कुमार ने भी गोल्ड मेडल मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और लगन को इस परिणाम का श्रेय दिया। उनका उद्देश्य बेहतर शिक्षा प्राप्त कर समाज को अच्छी सेवा प्रदान करना है। इस कार्यक्रम में आईआईटी पटना के निदेशक टी.एन. सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके साथ पटना विश्वविद्यालय के कुलपति अजय कुमार, प्रिंसिपल, प्रोफेसर और अन्य गणमान्य अतिथि भी मौजूद रहे।

सम्मानित होने वाले सूची में शामिल टॉपर विद्यार्थी नाम विषय कॉलेज श्वेता कुमारी (हिंदी) मगध महिला कॉलेज, अमिशा चंद्रा (अंग्रेजी) मगध महिला कॉलेज, अभिलाशा कुमारी (दर्शनशास्त्र) मगध महिला कॉलेज, निशा सिंह (संगीत) मगध महिला कॉलेज, नूपुर सिन्हा (इतिहास) मगध महिला कॉलेज, अमीशा कुमारी सिंह (समाज शास्त्र) मगध महिला कॉलेज, साधना (राजनीति विज्ञान) मगध महिला कॉलेज शामिल हैं। इसके साथ ही स्नेहा भारती (गृह विज्ञान) मगध महिला कॉलेज, साक्षी गुप्ता (गणित) मगध महिला कॉलेज, गुल अफशां आरा (भौतिक विज्ञान) मगध महिला कॉलेज, एश्वर्या (रसायन शास्त्र) मगध महिला कॉलेज, रासकी जहां (वनस्पति विज्ञान) मगध महिला कॉलेज, आयुषी रावत (जूलॉजी) मगध महिला कॉलेज, अदिति कुमारी (बीसीए) को भी सम्मान मिला।

चुनाव से पहले कांग्रेस विधायक मुरारी गौतम का इस्तीफा

एजेंसी, पटना

- बीजेपी में वापसी कर सकते हैं पूर्व सांसद अजय निषाद, सीट शेयरिंग-कैंडिडेट्स पर बीजेपी की बैठक जारी

कांग्रेस विधायक मुरारी प्रसाद गौतम का इस्तीफा 8 अक्टूबर को विधानसभा स्पीकर ने स्वीकार कर लिया है। उन्होंने 6 अक्टूबर को कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दिया था। मुरारी गौतम बिहार के रोहतास जिले की चेनारी सीट से बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में कांग्रेस के टिकट पर चुनकर आए थे। 2022 में जब महागठबंधन सरकार बनने के बाद वह कांग्रेस कोटे से मंत्री भी थे। फरवरी 2024 में जब महागठबंधन सरकार गिरी और NDA ने दोबारा सरकार बनाई तो फ्लोर टेस्ट के दौरान वह सत्तापक्ष, यानी के नीतीश साथ चले आए थे। इधर, बिहार में सीट बंटवारे से पहले NDA में बवाल मचा हुआ है। पटना में बीजेपी ऑफिस में सीट शेयरिंग और कैंडिडेट्स सिलेक्शन को लेकर बैठक चल रही है। वहीं, खबर है कि पूर्व सांसद अजय निषाद एक बार फिर बीजेपी में वापसी कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, उनकी बीजेपी नेताओं से बातचीत चल रही है। अजय निषाद पहले भी दो बार बीजेपी से सांसद रह चुके हैं, लेकिन लोकसभा चुनाव में टिकट कटने के बाद उन्होंने कांग्रेस का दामन थाम लिया था। अब उनके दोबारा बीजेपी में लौटने की चर्चा सियासी गलियारों में तेज हो गई है।

चिराग बोले- सही समय पर सही फैसला लेंगेः 3 दिन से चल रही नाराजगी की खबरों के बाद चिराग ने कहा कि सही समय पर सही फैसला होगा। उन्होंने ये भी कहा कि वो नाराज नहीं हैं। ना ही उनकी कोई डिमांड है। इधर, जीतनराम मांझी 15 से ज्यादा सीटों की मांग पर अड़े हुए हैं। मांझी ने अपने X अकाउंट से रामधारी सिंह दिनकर की कविता के जरिए 15 सीटों की डिमांड की है। उन्होंने X पर लिखा है- 'हो न्याय अगर तो आधा दो, यदि उसमें भी कोई बाधा हो, तो दे दो केवल 15 ग्राम, रखो अपनी धरती तमाम, HAM वही खुशी से खाएंगे, परिजन पे असी ना उठाएंगे' इस कविता की असली पंक्ति है तो दे दो केवल 5 ग्राम। मांझी ने इसकी जगह 15 का जिक्र किया है।

मांझी बोले- हम मान्यता प्राप्त सीटें चाहिएः इससे पहले 'जीतन राम मांझी ने कहा है कि, 'सीटों को लेकर हमारे यहां कोई झगड़ा नहीं है। हम मान्यता प्राप्त सीटें मांग रहे हैं, यानी बिहार विधानसभा में हमारी पार्टी को मान्यता प्राप्त हो जाए। इसके लिए पर्याप्त सीटें चाहिए। यह अपेक्षा इसलिए है क्योंकि हम कोई मुख्यमंत्री या उपमुख्यमंत्री नहीं बनना चाहते। हम बस चाहते हैं कि हमारी पार्टी को मान्यता मिले, इसलिए यही हमारी मुख्य मांग है।' चिराग पासवान भी सीट शेयरिंग को लेकर खुल कर नहीं बोल रहे हैं। बुधवार को पटना में सीट शेयरिंग के सवाल पर खामोश हो गए। इससे पहले उन्होंने रामविलास पासवान की पुण्यतिथि पर X पर पोस्ट कर लिखा है- 'पापा हमेशा कहा करते थे- जुर्म करो मत, जुर्म सहो मत। जीना है तो मरना सीखो, कदम-कदम पर लड़ना सीखो।' सूत्र बताते हैं कि बीजेपी 20+ सीटों पर तैयार है, लेकिन चिराग 35 की डिमांड कर रहे हैं। इधर देर रात लेफ्ट के नेताओं ने तेजस्वी यादव से मुलाकात की है। इन सबके बीच आज दिल्ली में CWC की बैठक बुलाई गई है। पटना में बीजेपी ऑफिस में कैंडिडेट्स के नाम पर मंथन भी जारी है।

संक्षिप्त समाचार

एलएनडी कॉलेज में होगा यूथ पार्लियामेंट 2026 का आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी। यूथ पार्लियामेंट 2026 का आयोजन शहर के एलएनडी कॉलेज में किया जाएगा। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. (डॉ.) मृगेंद्र कुमार ने बताया कि यूथ पार्लियामेंट 2026 के सफल आयोजन के लिए एलएनडी कॉलेज को नोडल सेंटर के रूप में चयनित किया गया है जिसमें जिले के 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवक/युवती भाग ले सकते हैं। महाविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रविरंजन सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करने के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 29 सितंबर से 12 अक्टूबर 2025 तक होनी है। इच्छुक युवक-युवतियां निर्धारित क्यूआर कोड के माध्यम से अपना पंजीकरण कर सकते हैं। महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने इस कार्यक्रम के रूप रेखा की जानकारी देते हुए बताया कि मुख्य कार्यक्रम की तिथि जल्द ही घोषित की जाएगी। इस कार्यक्रम के माध्यम से जिले के युवक युवतियों को अपनी वाकपटुता, विचारधारा, नए विचार तथा नेतृत्व क्षमता प्रदर्शित करने के लिए एक सशक्त मंच मिलेगा। इसलिए आवश्यक है कि अपने जिले के लोग इस कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में प्रतिभाग करें।

रेलवे दोहरीकरण से नगर में जलजमाव से बढ़ी परेशानी

बीएनएम @ बेतिया: बेतिया। नगर निगम क्षेत्र में जलजमाव की समस्या ने फिर से लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। रेलवे दोहरीकरण कार्य के कारण बानुछापर से निकलने वाला प्रमुख जलमार्ग अवरुद्ध हो गया है। यही मार्ग पहले नगर निगम का पानी निकालने का मुख्य रास्ता था।उपमहापौर गायत्री देवी ने बताया कि खासूवाड गांव के पास भवानी चिमनी के पीछे से होकर एक जलमार्ग गुजरता है, जिसे स्थानीय लोग सोक्ति कहते हैं। यह जलधारा आगे चलकर अंधरी-चनहरी नदी में मिलती है। लेकिन दुर्भाग्यवश अज्ञात लोगों ने भवानी चिमनी के समीप उस सोक्ति को भरवा कर बंद कर दिया, जिसके कारण पानी अब नदी तक नहीं पहुँच पा रहा है और शहर में ही रुक जा रहा है।उन्होंने बताया कि अंधरी-चनहरी पुल के पास सफाई का कार्य जारी है, लेकिन वह पर्याप्त नहीं है, जिससे पानी बहुत धीमी गति से निकल रहा है। नगर निगम के संसाधनों और कर्मियों की मदद से प्रभावित इलाकों से सक्शन मशीनों के माध्यम से पानी निकाला जा रहा है। गायत्री देवी ने कहा कि नगर निगम की टीम स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और जल्द ही जल निकासी को सुचारु करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

एक दर्जन वारंटियों गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपित के साथ पुलिस

बीएनएम @ बगहा: बगहा पुलिस जिला के गंडक पार स्थित भितहा थाना पुलिस ने विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मंगलवार की शाम छापेमारी अभियान चला कर एक दर्जन वारंटियों को गिरफ्तार किया है। भितहा थानाध्यक्ष अभिलाष कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के लगभग एक दर्जन वारंटियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि छापेमारी के दौरान वारंटी बिहारी चौधरी,खजान्ति चौधरी दोनों पिता नेता चौधरी,शम्भू चौधरी पिता केश्वर चौधरी, मुरारी चौधरी राजवंशी चौधरी चारों ग्राम मलाही टोला, विनय कुशवाहा पिता हरिशंकर कुशवाहा ग्राम बिनही,देवीलाल कुशवाहा पिता रघु कुशवाहा,रघु कुशवाहा पिता डोमा महतो, दोनों ग्राम हथुअहवा, राजेंद्र गोंड पिता स्वामीनाथ गोंड ग्राम हथुअहवा, लालबाबू शर्मा पिता राम मिलन शर्मा ग्राम झवठिया, मोहन राम पिता भगाली राम ,बिगा राम पिता मुखलाल राम ग्राम हथुअहवा को गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार सभी वारंटियों को बुधवार को न्यायिक हिरासत में बगहा भेजा गया। भितहा थाना पुलिस की इस कार्रवाई से वारंटियों, फरारियों समेत विभिन्न कांड के अभियुक्तों में हडकंप मच गया है।

जागो बहन जागो संस्थान का बैठक आयोजित

समाज सुधार के लिए लिया संकल्प

बीएनएम @ बेतिया : बैरिया। प्रखंड क्षेत्र के बगही बघमंबरपुर पंचायत में बुधवार को जागो बहन जागो संस्थान की बैठक आयोजित की गई। बैठक में दर्जनों महिलाएं शामिल हुईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के संस्थापक संजय कुमार निशांत ने की। मौके पर तबस्सुन खातून, सुनीता देवी, नसीबा खातून, शबाना खातून, दीनानाथ शाह, एवं पूर्व जिला परिषद सदस्य अजय चौधरी सहित संतोष चौधरी भी मौजूद रहे। बैठक में संस्थान के उद्देश्यों औरा आगामी कार्य योजनाओं पर चर्चा की गई। संस्थापक संजय कुमार निशांत ने बताया कि संस्थान का मुख्य उद्देश्य मानवाधिकार के हनन को रोकना, बालश्रम के खिलाफ आवाज उठाना, गरीबों की सहायता करना और शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रयास करना है। उन्होंने कहा कि संस्थान भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने, महिलाओं के उत्पीड़न को रोकने, पर्यावरण संरक्षण, दहेज मुक्त भारत अभियान और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए लगातार प्रयासरत है।उन्होंने बताया कि संस्थान पूरे भारत में सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है और अब गरीब व लाचार परिवारों की बेटियों के विवाह की जिम्मेदारी भी संस्था द्वारा उठाई जा रही है। विवाह के अवसर पर संस्था की ओर से आवश्यक सामग्री उपहार स्वरूप दी जाती है। इसके अलावा संस्था द्वारा लाभार्थियों के लिए स्थायी पहचान कार्ड बनाने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। कार्यक्रम में महिलाओं ने संस्थान के सामाजिक कार्यों की सराहना की और समाज सुधार में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया।

सरकारी कर्मचारियो, अधिकारियों की मनमानी से चुनाव आयोग की साख पर उठ रहे सवाल

सागर सूरज

» अपने कर्तव्यों से इतर नेताओं की कर रहे है चाकरी

बीएनएम @ मोतिहारी। बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, पूर्वी चंपारण जिले में कुछ सरकारी कर्मियों की राजनीतिक गतिविधियों में संलिप्तता को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। चुनाव आयोग की सख्त हिदायतों के बावजूद कई सरकारी कर्मचारी, जिनमें शिक्षक और कृषि समन्वयक शामिल हैं, खुलेआम राजनीतिक दलों और संभावित प्रत्याशियों के समर्थन में सक्रिय देखे जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, कुछ कर्मचारी अपने कार्य समय में ही प्रचार में जुटे हैं, जबकि कुछ बिना अनुमति पटना जाकर अपने चहेते नेताओं के लिए टिकट की पैरवी कर रहे हैं। यह आचरण न केवल आचार संहिता का उल्लंघन है बल्कि निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े करता है। हरसिद्धि प्रखंड क्षेत्र से दो मामले विशेष रूप से सामने आए हैं। पहले मामले में उज्जैन लोहियार पंचायत के बलुआ स्थित एक मध्य विद्यालय की शिक्षिका को स्कूल समय में एक राजनीतिक दल के लिए प्रचार करते हुए वीडियो में देखा गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि शिक्षिका अक्सर स्कूल छोड़कर प्रचार में जाती हैं और उनकी अनुपस्थिति में उनके पति बच्चों को पढ़ाते हैं। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने इस पर संज्ञान लेते हुए उन्हें मंगलवार को वापस स्कूल बुलाया, परंतु बुधवार को फिर प्रचार में

सक्रिय हो गईं। बिना स्कूल आये हजरी भी बन गया. दूसरे मामले में हरसिद्धि प्रखंड के एक कृषि सलाहकार बिना अनुमति पटना गए पाए गए। आरोप है कि वे वहां आरजेडी के एक संभावित प्रत्याशी के लिए टिकट सुनिश्चित कराने गए थे। प्रखंड कृषि पदाधिकारी राघव प्रसाद ने इस पर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया है। बताया गया कि सलाहकार ने घटना के बाद व्हाट्सएप के माध्यम से छुट्टी आवेदन भेजा। इन घटनाओं से यह साफ है कि जिले में कुछ सरकारी कर्मी राजनीतिक दबाव में काम कर रहे हैं। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल को इन मामलों की जानकारी दी गई है, किंतु अब तक उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। चुनाव आयोग ने निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान कराने का भरोसा दिलाया है, लेकिन इस तरह के मामलों ने आयोग की साख पर सवाल खड़ा कर दिया है। जिले में निष्पक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए अब सख्त कार्रवाई की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का किया गया निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के अवसर पर बुधवार को ज़िला निर्वाचन पदाधिकारी सह ज़िला पदाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा राजनैतिक दलों के जिला प्रतिनिधियों के साथ शहर के समाहरणालय स्थित स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण किया गया। ज़िला निर्वाचन पदाधिकारी ने वेयर हाउस के सुरक्षा प्रभारी पदाधिकारी से विभिन्न रजिस्टर संधारण की जानकारी प्राप्त की। डीएम ने कहा कि ईवीएम वेयर हाउस में आने के पहले मेंन गेट पर सही से फ्रिस्किंग हो, कोई भी कर्मिगण या राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों को मोबाइल के साथ अंदर प्रवेश वर्जित है,इसे सुनिश्चित करना होगा। ईवीएम वेयर हाउस में आने वाले सभी कर्मी का नाम, मोबाइल नंबर, आने का उद्देश्य, आने जाने वक़्त दोनों का समय इत्यादि की जानकारी संधारित करवाये। डीएम के द्वारा सीसीटीवी कैमरों का अवलोकन किया एवं निर्देश दिया कि कोई भी डार्क स्पॉट नही छुटे,सभी एरिया सीसीटीवी से कवर रहे। वेयरहाउस के सुरक्षा में प्रतिनियुक्त सुरक्षाकर्मियों की उपस्थिति देखी गई एवं उनसे पूरी चौकस रहकर ड्यूटी करने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी सरफराज नवाज की उपस्थित थे।

बिहार विधानसभा आम चुनाव के मद्देनज़र एसएसबी टीम की ब्रीफिंग

बीएनएम @ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के द्वारा बिहार विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न करने को लेकर नथुनी दुर्गा उच्च विद्यालय पुरन्दरा, भेलाही रक्सौल में सीमा सुरक्षा बल की टीम को अवांछित गतिविधि, सीमा पार आवाजाही एवं गैर क़ानूनी तत्वों पर कड़ी निगरानी रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश बुधवार को दिया गया। भेलाही में सीमा सुरक्षा बल की एक कंपनी मौजूद है। जिन्हें जिला प्रशासन की तरफ से सभी मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है। जिलाधिकारी श्री जोरवाल ने कहा कि सभी वाहनों की जांच की जाए। छापामारी अभियान में और तेजी लाई जाए एवं जो भी अवैध सामग्री यथा नारकोटिक्स, शराब आदि मिल रहा है तो उसे जब्त किया जाए। अगर अवैध धनराशि का आवा गमन हो रहा है तो उसकी सूचना संबंधित वरीय पदाधिकारी को देते हुए उसे नियमानुसार जप्त कर लिया जाए।

बिहार विधान सभा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के अवसर पर मतदाता जागरूकता अभियान के तहत बुधवार को शहर के एमएस कॉलेज में छात्रों के बीच जागरूकता कार्यक्रम की गई जिसकी अध्यक्षता उप विकास आयुक्त पूर्वी चंपारण ने की जिसमें जिला स्वीप आईकॉन, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, डीपीओ आईसीडीएस, सहायक कोषागार पदाधिकारी, सहायक प्रबंधक डीआरसीसी सहित अन्य पदाधिकारी, बड़ी संख्या में छात्र एवं कालेज के प्राचार्य सहित अन्य प्रोफेसर उपस्थित थे। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को लोकतंत्र में मतदान के महत्व को बताते हुए सभी लोगों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने की बात कही। उन्होंने इस कार्यक्रम के माध्यम से युवा वर्ग से अपील की कि सभी युवा पहले तो मतदाता सूची में अपना नाम शामिल करा ले एवं उसके पश्चात अपने अभिभावक सहित मताधिकार प्राप्त सभी लोगों से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की सलाह दें और सभी युवा एक आइकॉन के रूप में काम करें। इस अवसर पर जिला की स्वाइप आईकॉन अनुप्रिया ने लोकतंत्र आधारित गीतों से उपस्थित बच्चों को प्रभावित किया एवं उनसे अपील की शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने में अपनी भूमिका निभाएं। जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ने भी संबोधित किया। सभी पदाधिकारी ने बताया कि 11 नवंबर को जिले में विधानसभा निर्वाचन के लिए मतदान की तिथि निर्धारित है। उसे सभी लोग याद रखेंगे और अचूक रूप से 11 नवंबर को अपना मतदान करेंगे।

स्वीप कार्यक्रम के तहत सरैया मुसहर टोला में मतदान जागरूकता अभियान

बीएनएम @ मोतिहारी

जिले के मोतिहारी प्रखंड अंतर्गत बरदाहा पंचायत के सरैया गांव के मुसहर टोला में बुधवार को स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने लोगों, विशेषकर महिलाओं को आगामी 11 नवंबर को होने वाले मतदान में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान यह संदेश दिया गया कि "मताधिकार हमारा अधिकार है, और लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए सभी का मतदान करना आवश्यक है।" कार्यक्रम में महिला एवं बाल निगम के जिला परियोजना प्रबंधक वीरेंद्र राम, जिला मिशन समन्वयक निधि कुमारी, जेंडर विशेषज्ञ निर्भय कुमार, तथा बाल रक्षा भारत (सेव द चिल्ड्रेन) के प्रतिनिधि हामिद रज़ा और सत्य प्रकाश विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इसके अलावा बबिता देवी, बिरेन्द्र मांझी, लालबाबू साह, अनिता देवी, रिंकी कुमारी, तेतर देवी, झलिया देवी, गोल्डी कुमारी सहित करीब 100 महिला एवं पुरुष ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दुर्गा पूजा में अश्लील डांस व गाना बजाने पर दो एफआईआर दर्ज, 30 नामजद, 400 अज्ञात आरोपी

» वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस की बड़ी कार्रवाई

बीएनएम @हरसिद्धि

दुर्गा पूजा के दौरान अश्लील गाना बजाने और नर्तकियों द्वारा अश्लील नृत्य किए जाने के मामले में हरसिद्धि पुलिस ने दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज कर बड़ी कार्रवाई की है। इन मामलों में कुल 30 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है, जबकि करीब 400 अज्ञात लोगों को आरोपित किया गया है।जानकारी के अनुसार, हरसिद्धि बाजार और कुबारा ब्रह्मस्थान में दुर्गा पूजा पंडालों में सांस्कृतिक कार्यक्रम के नाम पर डीजे पर अश्लील गीत बजाकर नर्तकियों से अभद्र नृत्य कराया गया था। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और जांच के बाद कार्रवाई की गई। पहली एफआईआर हरसिद्धि बाजार दुर्गा पूजा समिति से संबंधित है। इस मामले में थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा के स्वलिखित बयान पर पूजा समिति के सदस्य सुनील कुमार, दुर्गेश बैठा, आदित्य कुमार, रिशु कुमार, विकास कुमार, अजय कुमार, राजन कुमार, बजरंग प्रसाद गुप्ता, गोल्डन कुमार, पिंटू कुमार और मुकेश बिहारी शर्मा को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। इसके अलावा करीब 200 अज्ञात लोगों को भी आरोपित किया गया है। दूसरी एफआईआर कुबारा ब्रह्मस्थान एवं कुबारा मध्य विद्यालय दुर्गा पूजा समिति से संबंधित है। यह मामला दरोगा शम्भू मालाकार के स्वलिखित बयान पर दर्ज किया गया है। इसमें मुनी साहनी, मुना साहनी, सागर राम, मुना राम, पन्नालाल राम, अजय कुमार, श्याम बिहारी राम, सुरेन्द्र साहनी, हरिन्द्र साहनी, चन्द्रिका साहनी, नरेश साहनी, युगल किशोर चौधरी, दुर्योधन साहनी, सेठ साहनी, विजय साहनी, पन्नालाल साहनी, भरत साह, संतोष साह और बाली कुमार सहित करीब 200 अज्ञात लोगों को आरोपित किया गया है। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि पूजा आयोजकों को पूर्व में ही स्पष्ट निर्देश दिया गया था कि डीजे बजाने और अश्लील गीतों के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके बावजूद आदेशों की अवहेलना करते हुए डीजे पर अश्लील गाने बजाए गए और नर्तकियों से डांस कराया गया, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है।

हरसिद्धि पुलिस की बड़ी कार्रवाई : विशेष अभियान में चार गैर-जमानती वारंटी गिरफ्तार, जेल भेजे गए

बीएनएम @हरसिद्धि

अपराधियों पर नकेल कसने के लिए हरसिद्धि थाना पुलिस ने मंगलवार की देर रात विशेष छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने चार गैर-जमानती वारंटियों को गिरफ्तार कर बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। खबर की पुष्टि करते हुए अपर थाना अध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि छापेमारी अभियान एसएसबी बटालियन के जवानों और हरसिद्धि पुलिस बल की संयुक्त टीम द्वारा चलाया गया। अभियान में एसआई संतोष कुमार और पीएसआई अविनाश कुमार की टीम भी शामिल रही। इस दौरान पानापुर रंजीता पंचायत के पानापुर गांव निवासी धर्मेंद्र पटेल एवं नरसिंह पटेल, साथ ही कठैया गांव निवासी शंभू सहनी और राजेंद्र सहनी को गिरफ्तार किया गया। बताया गया कि सभी आरोपित लंबे समय से फरार चल रहे थे और उन पर न्यायालय से गैर-जमानती वारंट जारी था। अपर थाना अध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार चारों अभियुक्तों को बुधवार को न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि फरार वारंटियों और अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा, ताकि थाना क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनी रहे।

संक्षिप्त समाचार

बमबाजी की घटना से मचा हड़कम्प, जांच में जुटी पुलिस

बीएनएम @ जमुई / झाझा। बुधवार की रात्रि एक बजे थाना क्षेत्र के पुरानी बाजार में एक घर के दूसरे तल्ले पर लगे खिड़की में अज्ञात बदमाशों ने बमबाजी की घटना को अंजाम दिया। जिससे कमरे की खिड़की चकनाचूर होकर चारो तरफ बिखर गया। बदमाशो ने घर पर दो बम फेंका। बमबाजी की घटना देखकर तुरन्त घर के सभी सदस्यों जाग गए और डायल 112 पर सम्पर्क किया जिसके बाद पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर घटना की जानकारी लेकर थाना में आवेदन देने के लिए कहा। वही बुधवार की सुबह गृहस्वामी जितेंद्र कुमार बरनवाल उर्फ पिंटु झाझा थाना पहुंचकर घटना के संदर्भ में पूरी बात बताते हुए आवेदन दिया। गृहस्वामी ने बताया कि मेरा पुरानी बाजार में ही हार्डवेयर का दुकान है। रात्रि में पूरा परिवार सोए हुए थे तभी घर की खिड़की पर एक बम फेंका और अगले चंद मिनटों में दूसरा बम फेंका जिससे खिड़की चकनाचूर हो गया और घर मे बम की सुंगध फैल गया। गृहस्वामी ने बताया कि मैं एक व्यवसायी हूँ और मुझे किसी से कोई दुश्मनी नही है। घर पर बमबाजी के बाद पूरे परिवार में दहशत का माहौल बना हुआ है और घर सहित आसपास में भी लोगों के बीच बमबाजी की घटना के बाद भय बना हुआ है।इधर थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि आवेदन मिलने के बाद पुलिस छानबीन कर रही है।

133 समस्तीपुर विधानसभा में मतदाताओं को फॉर्म 12डी का वितरण

बीएनएम @ समस्तीपुरः 133 समस्तीपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में उन वरिष्ठ नागरिकों (85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता) को फॉर्म 12D (डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान की सुविधा के लिए) का वितरण किया जा रहा है, जो मतदान केंद्र तक आने में असमर्थ हैं।यह पहल निर्वाचन प्रक्रिया को समावेशी बनाने और यह सुनिश्चित करने के लिए की गई है कि कोई भी मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे।लक्ष्य समूहः 85 वर्ष से अधिक आयु के वे मतदाता, जिन्होंने मतदान केंद्र पर आने में असमर्थता व्यक्त करते हुए डाक मतपत्र (Postal Ballot) के माध्यम से मतदान करने का विकल्प चुना है।उद्देश्यः "घर से मतदान" (Vote From Home) सुविधा के तहत ऐसे वरिष्ठ और दिव्यांग मतदाताओं को उनके निवास स्थान पर मतपत्र उपलब्ध कराना। क्रियान्वयनः संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (BLO) और विशेष टीमों द्वारा सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करते हुए फॉर्म का वितरण किया गया। निर्वाची पदाधिकारी, 133 समस्तीपुर विधानसभा क्षेत्र ने बताया कि यह कदम निर्वाचन आयोग के 'सुगम और समावेशी चुनाव' के संकल्प को मजबूत करता है। उन्होंने सभी पात्र मतदाताओं से इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है।

समस्तीपुरः नामांकन प्रक्रिया को लेकर आज से होगा प्रत्याशियों का प्रशिक्षण

बीएनएम @ समस्तीपुरः बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 की घोषणा के साथ ही जिले में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। समस्तीपुर जिले के सभी दस विधानसभा क्षेत्रों में प्रथम चरण के तहत 6 नवंबर 2025 को मतदान निर्धारित किया गया है। इस चरण की अधिसूचना 10 अक्टूबर 2025 को जारी होगी और इसी दिन से नामांकन प्रक्रिया की औपचारिक शुरुआत भी हो जाएगी।संभावित अभ्यर्थियों को नामांकन प्रक्रिया में किसी प्रकार की कठिनाई न हो, इसके लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी श्री रोशन कुशवाहा के निर्देश पर 9 अक्टूबर 2025 को सभी निर्वाची पदाधिकारियों के कार्यालयों में विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया जाएगा।बताया कि इस प्रशिक्षण में अभ्यर्थियों को नामांकन पत्र भरने की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, जमानत राशि, समय-सीमा, और अन्य निर्वाचन संबंधी विधिक प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।सभी संभावित प्रत्याशियों से अपील की गई है कि वे अपने-अपने निर्वाची पदाधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होकर प्रशिक्षण में भाग लें, ताकि नामांकन प्रक्रिया में किसी प्रकार की त्रुटि या समस्या न हो।

दो फरार वारंटी गिरफ्तार

बीएनएम @ जमुई/झाझा। लंबे समय से फरार चल रहे दो अभियुक्त के खिलाफ जारी हुए वारंट के बाद पुलिस ने दोनो फरार वारंटी को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि गिरफ्तार वारंटी की पहचान राजकुमार मांझी और मनोज उर्फ सनोज मांझी साकिन गम्हरिया गांव के रूप में हुई है। दोनो पर कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद दोनो को बुधवार को न्यायिक हिरासत में जमुई भेज दिया गया।

सीट बंटवारे पर मांझी का तेवरः "हो न्याय अगर तो आधा दो..." कविता में छलका दर्द

बीएनएम @ पटनाः बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर एनडीए के अंदर सीट बंटवारे की खींचतान तेज होती जा रही है। इसी बीच हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने सोशल मीडिया पर एक भावनात्मक पोस्ट कर अपने तेवर साफ कर दिए हैं। मांझी ने राष्ट्रकवि दिनकर की पंक्तियों का हवाला देते हुए लिखा— "हो न्याय अगर आधा तो आधा दो, यदि उसमें भी बाधा हो तो दे दो केवल 15 ग्राम, रखो अपनी धरती तमाम, हम वही खुशी से खायेंगे, परिजन पे आसी ना उठाएंगे।"मांझी का यह पोस्ट एनडीए के भीतर चल रहे सीट बंटवारे के विवाद की ओर इशारा करता दिख रहा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के समय यह बात हुई थी कि पार्टी को दो या तीन लोकसभा सीटें और एक राज्यपाल पद मिलेगा, लेकिन अंत में सिर्फ एक सीट दी गई। इसके बावजूद, मांझी ने यह भी जोड़ा कि उन्होंने इस पर कोई शिकायत नहीं की थी।मांझी का यह बयान ऐसे समय आया है जब बिहार एनडीए में जदयू, भाजपा और छोटे सहयोगी दलों के बीच सीटों के समीकरण को लेकर तकरार बढ़ रही है।

दो फेज में चुनाव का फैसला आयोग का अधिकारः राज्यपाल

बीएनएम @ पटना

वैशाली दुनिया का सबसे पुराना लोकतंत्र है और यह बिहार की विशिष्टता है

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को दो चरणों में कराने के फैसले पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा है कि चुनाव आयोग पर भरोसा रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि आयोग ने जो भी निर्णय लिया है, वह उपलब्ध सूचनाओं और परिस्थितियों के आधार पर लिया गया है। राज्यपाल ने कहा, "जो पहले तय हुआ था, उसे खत्म कर दो फेज में चुनाव कराने का फैसला आयोग ने अपने विवेक से लिया है। हमें लोकतंत्र की संस्थाओं पर भरोसा करना चाहिए, उन पर सवाल उठाना सही नहीं है।"उन्होंने बिहार की ऐतिहासिक पहचान का उल्लेख करते हुए कहा कि वैशाली दुनिया का सबसे पुराना लोकतंत्र है और यह बिहार की विशिष्टता है। उन्होंने कहा, "अगर हम खुद को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहते हैं, तो लोकतंत्र की मर्यादाओं का सम्मान भी उतना ही जरूरी है।"मुख्य न्यायाधीश पर एक वकील द्वारा जूता फेंके जाने की घटना पर राज्यपाल ने दुख जताया। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत निंदनीय और मर्यादा का उल्लंघन है। उन्होंने कहा, "भारत बहुत बड़ा देश है, ऐसे कुछ अपवाद हो सकते हैं, लेकिन यह हमारी न्यायिक व्यवस्था की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला कदम है।"राज्यपाल ने कहा कि न्यायपालिका लोकतंत्र का स्तंभ है और उसके निर्णयों पर इस तरह की सार्वजनिक टिप्पणी या असम्मान लोकतंत्र की भावना के विपरीत है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे संस्थाओं के प्रति सम्मान और संयम बनाए रखें, क्योंकि यही लोकतंत्र की असली शक्ति है।

तेजस्वी यादव का फुलपरास से उतरने की तैयारी,

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बड़ा सियासी दांव चल दिया है। सूत्रों के मुताबिक, वे इस बार राघोपुर के साथ-साथ मिथिला की फुलपरास विधानसभा सीट से भी चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। यह कदम न केवल उनकी राजनीतिक रणनीति को व्यापक बनाएगा बल्कि उत्तर बिहार में राजद की पकड़ को मजबूत करेगा।राघोपुर तेजस्वी का पारंपरिक गढ़ है, जहां उनकी जीत लगभग तय मानी जाती है। दूसरी सीट फुलपरास से उतरने की चर्चा इस बात का संकेत है कि राजद अब सिर्फ मुस्लिम-यादव समीकरण पर निर्भर नहीं रहना चाहती, बल्कि EBC (अत्यंत पिछड़ा वर्ग) और दलित वोटरों पर भी ध्यान दे रही है। इसी दिशा में पार्टी ने मधुबनी के मंगनी लाल मंडल को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है, जो प्रभावशाली EBC नेता माने जाते हैं।फुलपरास का राजनीतिक इतिहास भी खास रहा है। यहां कभी जननायक कर्पूरी ठाकुर विधायक रहे थे। अगर तेजस्वी यहां से मैदान में उतरते हैं तो यह RJD के "मिथिला मिशन 2025" को बड़ा बल देगा।इसी बीच दरभंगा सीट पर पार्टी ने स्थानीय नेता ओम प्रकाश खेड़िया को अपना मजबूत चेहरा बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। खेड़िया लंबे समय से राजद से जुड़े हैं और संगठन में एक ईमानदार, समर्पित कार्यकर्ता के रूप में पहचान रखते हैं। वे लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव दोनों के करीबी माने जाते हैं।

ग्रामीणों ने विद्यालय में किया हंगामा, पुलिस ने पहुंचकर कराया मामला शांत

» शिक्षक पर छात्र की पिटाई का आरोप, रेफर

बीएनएम @ बेतिया ,बैरिया

हंगामा करते ग्रामीण

प्रखंड क्षेत्र के प्लस टू उच्च माध्यमिक विद्यालय बघमबरपुर में मंगलवार को शिक्षक द्वारा छात्र की पिटाई का मामला सामने आने के बाद बुधवार को आक्रोशित ग्रामीणों ने विद्यालय परिसर में जमकर हंगामा किया। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ। जानकारी के अनुसार, कक्षा 9वीं के छात्र आकाश कुमार (पिता गमा राम) को शिक्षक अखंड प्रताप सिंह ने कथित रूप से पिटाई कर घायल कर दिया। घायल छात्र को पहले एक निजी क्लिनिक में भर्ती कराया गया, जहाँ से चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जीएमसीएच बेतिया रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। बुधवार की सुबह बड़ी संख्या में लोग विद्यालय पहुँचे और शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा करने लगे। सूचना पर थानाध्यक्ष अमित कुमार पाल दल-बल के साथ मौके पर पहुँचे और समझा-बुझाकर स्थिति को नियंत्रित किया। घायल छात्र के पिता गमा राम ने आरोप लगाया कि उनके पुत्र को शिक्षक ने बेरहमी से पीटा, जिससे वह बेहोश होकर गिर पड़ा। उन्होंने दोषी शिक्षक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीईओ) श्याम कुमार ने विद्यालय पहुंचकर मामले की जांच की। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में चार छात्रों के बीच झगड़े की बात सामने आई है। बीच-बचाव के दौरान शिक्षक ने हस्तक्षेप किया था। बीईओ ने बताया कि संबंधित शिक्षक और प्रधानाध्यापक से लिखित स्पष्टीकरण मांगा गया विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सुनीता कुमारी से संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया।

अवैध वसूली पर अभाविप का आन्दोलन

बीएनएम @ जमुई / झाझा

हंगामा करते अभाविप के कार्यकर्ता

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई झाझा के कार्यकर्ताओं ने प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित उच्च विद्यालय चांय में अवैध वसूली के खिलाफ आन्दोलन किया। वर्तमान समय में बिहार विद्यालय परीक्षा समिति पटना के निर्देशानुसार सभी विद्यालयों में पंजीयन पत्र तथा परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया चल रही है, उत्क्रमित उच्च विद्यालय चांय में अवैध वसूली का मामला सामने आया है जिसमें अत्यंत पिछड़ा वर्ग एवं पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को सरकारी शुल्क के अनुसार 865 रुपया तथा सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों 980 रुपया के जगह पर 1050 रुपया लिया जा रहा है, एवं एसटी के छात्रों को 515 के जगह 550 और 600 रुपया लेने का मामला सामने आया है। मौके पर एबीवीपी कार्यकर्ता हरिनंदन प्रजापति ने कहा कि इस प्रकार का मामला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, हम प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी तथा जिला शिक्षा पदाधिकारी से अभिलंब इस मामले की जांच कर ठोस कार्रवाई की मांग करते हैं। विद्यार्थियों ने विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं को सूचना दिया कार्यकर्ता ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विद्यालय परिसर में पहुंचा तथा जानकारी को पुष्टि किया हालत यह था कि विद्यालय की प्राचार्य कुमारी बिना छुट्टी लिए अपने कार्यालय से नदारत नजर आए। ग्रामीणों का कहना था कि प्राचार्य अभी नई-नई आई है और एक भी दिन ठीक से ड्यूटी नहीं करती है, हमने टेलिफोनिक माध्यम से संपर्क साधा तो प्राचार्य मैडम बहाना करते रही। सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले लगभग बच्चे अत्यंत गरीब परिवार से आते हैं इस प्रकार की घटना को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कतई बर्दाश्त नहीं करेगी।मौके पर रोहित कुमार, प्रिंस कुमार, विकाश कुमार, शिवानी कुमारी , शीतल ने कहा हमें न्याय चाहिए अन्यथा हम एबीवीपी के साथ चरणबद्ध तरीके से आन्दोलन करेंगे।मौके पर कल्पना कुमारी, सोनाली कुमारी ,प्रिंस कुमार, विकास कुमार ,शनिदेव कुमार, वर्षा कुमारी ,शीतल कुमारी, सागर कुमार, राधिका कुमारी आदि मौजूद रहे।

निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव की तैयारी को लेकर डीएम ने की सभी कोषांगों की समीक्षा बैठक

निर्वाचन कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी : डीएम

बीएनएम @ समस्तीपुर

अधिकारियों को दिशा निर्देश देते डीएम

आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर बुधवार को समाहरणालय सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी रोशन कुशवाहा की अध्यक्षता में सभी कोषांगों से संबंधित विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्मिक, प्रशिक्षण, ईवीएम, वाहन, पोस्टल बैलेट एवं ETPBS, तथा CAPF कोषांग से जुड़ी तैयारियों की गहन समीक्षा की गई। डीएम ने सभी नोडल पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्वाचन कार्यों में पारदर्शिता, शुचिता और समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी, और सभी कोषांग अपनी दैनिक प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत करें ताकि तैयारियों की सतत मॉनिटरिंग हो सके।डीएम कुशवाहा ने कार्मिक एवं प्रशिक्षण कोषांग को निर्देशित किया कि प्रशिक्षण सत्र व्यवहारिक व प्रभावी हों ताकि मतदान दिवस पर किसी प्रकार की तकनीकी या प्रक्रियागत त्रुटि न हो।ईवीएम कोषांग को उन्होंने मशीनों की त्रिस्तरीय जांच और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।वाहन कोषांग को उन्होंने परिवहन योजना को समय से पूर्व तैयार कर वाहनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा।इसके अतिरिक्त, वेबकास्टिंग, आईटी, विधि-व्यवस्था/भेद्यता मानचित्र एवं सुरक्षा योजना, आदर्श आचार संहिता, निर्वाचन व्यय लेखा एवं अनुश्रवण, मीडिया/सोशल मीडिया, कम्युनिकेशन प्लान, शिकायत निवारण एवं वोटर हेल्पलाइन, प्रेक्षक तथा सिंगल विंडो कोषांग की भी समीक्षा की गई।डीएम ने निर्देश दिया कि भेद्यता मानचित्र को अद्यतन किया जाए और संवेदनशील व अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में पर्याप्त सुरक्षा बलों की तैनाती सुनिश्चित की जाए। उन्होंने वेबकास्टिंग प्रणाली को और मजबूत करने पर बल देते हुए कहा कि "प्रत्येक महत्वपूर्ण मतदान केंद्र से रीयल-टाइम मॉनिटरिंग की व्यवस्था होनी चाहिए।" बैठक में उपस्थित अधिकारियों को संबोधित करते हुए डीएम ने कहा की स्वच्छ, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनता के विश्वास और लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।जिलाधिकारी ने कहा की प्रशासन की भूमिका केवल निगरानी तक सीमित नहीं है, बल्कि मतदाताओं में विश्वास कायम रखना भी उतना ही आवश्यक है। प्रत्येक कार्य में समयबद्धता, जिम्मेदारी और निष्पक्षता झलकनी चाहिए। यह केवल चुनाव नहीं, बल्कि लोकतंत्र के उत्सव की तैयारी है।

बिहार चौथे गियर में, एनडीए की वापसी तयः संजय झा

बीएनएम @ पटना

जदयू नेता संजय झा

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। एनडीए के वरिष्ठ नेता और मंत्री संजय झा ने कहा है कि बिहार इस समय विकास के चौथे गियर में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अब यह चुनाव तय करेगा कि राज्य पांचवें गियर में जाएगा या फिर से बैक गियर में लौटेगा।उन्होंने कहा कि उदारीकरण के बाद जब देश के कई राज्यों में निवेश और आईटी उद्योग लग रहे थे, उस वक्त बिहार अपहरण उद्योग और चरवाहा विद्यालयों के लिए बदनाम था। उन 15 वर्षों की नकारात्मक विकास दर ने राज्य को काफी पीछे धकेल दिया। संजय झा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में पिछले दो दशकों में बिहार में बड़ा बदलाव आया है और अब राज्य टेक ऑफ स्टेज पर है।उन्होंने बताया कि अगले पांच वर्षों में सरकार का फोकस हर जिले में उद्योग स्थापित करने, दो करोड़ महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने और एक करोड़ युवाओं को रोजगार या सरकारी नौकरी देने पर होगा। इसमें केंद्र सरकार का भी पूरा सहयोग मिलेगा।संजय झा ने कहा कि बिहार के लोग समझदार हैं और उन्हें पता है कि अगर 2025 में एनडीए की डबल इंजन सरकार दोबारा बनती है तो राज्य देश के शीर्ष दस राज्यों में जगह बनाएगा। उन्होंने भरोसा जताया कि जनता इस अवसर को हाथ से जाने नहीं देगी और प्रचंड बहुमत के साथ फिर से नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाएगी।

प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम @ जमुई/झाझा

एक व्यक्ति ने अपने साथ हुई मारपीट, छिनतई और कार को क्षतिग्रस्त की घटना को लेकर थाना में एक नामजद और अन्य तीन लोगों के खिलाफ थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज आवेदन में सुन्दरीटांड़ गांव के रहने वाले अनिक कुमार ने बताया कि झाझा बाजार से अपने कार में अपने जीजा के साथ घर जा रहा था कि तभी सुन्दरीटांड़ स्थित सुंदरी बाबा मंदिर के समीप पुलिया के पास चार लोग जिसमे शामिल दीपक साकिन अलकजरा गांव ने मेरे कार को रुकवाया और जाति सूचक शब्द का प्रयोग कर गाली गलौज करते हुए मेरे साथ मारपीट करते हुए मुझे घायल कर दिया और मेरे पास रखे 6 हजार रुपए छीनने का बाद कार को क्षतिग्रस्त कर नदी में धकेल रहा था।

स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में पुलिस बल कार्य क्षमता बढाने में निभाती है महत्वपूर्ण भूमिकाः एसपी

बीएनएम @ बगहा

एसपी ने किया बगहा पुलिस केंद्र का निरीक्षण दिए दिशा-निर्देश

पुलिस केंद्र का निरीक्षण करते एसपी

विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक बगहा सुशांत कुमार सरोज ने बुधवार को पुलिस केंद्र बगहा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परिसर में सफाई व्यवस्था, जल-जमाव की स्थिति और समग्र स्वच्छ वातावरण बनाए रखने को लेकर कई आवश्यक निर्देश दिए। एसपी सुशांत कुमार सरोज ने कहा कि मानसून के बाद जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि परिसर में किसी तरह की परेशानी या संक्रमण की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन स्थानों पर जल-जमाव की स्थिति है, वहां तत्काल निकासी की व्यवस्था की जाए। साथ ही पूरे पुलिस परिसर में नियमित रूप से ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव सुनिश्चित किया जाए, ताकि मच्छरों और अन्य संक्रमणजन्य बीमारियों की रोकथाम हो सके। निरीक्षण के दौरान पुलिस उपाधीक्षक बगहा, सभी सर्जेंट तथा अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। एसपी ने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ कार्य वातावरण पुलिस बल की कार्यक्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि पुलिस कर्मियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है, ताकि वे बिना किसी परेशानी के जनता की सेवा में तत्पर रह सकें। एसपी ने पुलिस कर्मियों की व्यक्तिगत और सामूहिक समस्याओं की जानकारी भी ली तथा अधिकारियों को निर्देश दिया कि परिसर के अंदर और बाहर साफ-सफाई पर नियमित निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि सफाई और अनुशासन न केवल कार्यक्षमता बढ़ाते हैं बल्कि यह पुलिस की पेशेवर छवि को भी मजबूत बनाते हैं। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों और कर्मियों को पौधे भेंट किए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि "स्वच्छता, अनुशासन और सतर्कता ही पुलिस बल की असली पहचान है, जिसे हर कर्मी को गर्व के साथ बनाए रखना चाहिए।

दहेज़ लोभियों ने की बहू की गला दबाकर हत्या, पति और ससुराल पक्ष फरार

बीएनएम @ पटना

मृतक के गमगीन परिजन

बिहार के तेल्हाड़ा थाना क्षेत्र के मेहंदीचक गांव में एक बहू की दर्दनाक हत्या की खबर सामने आई है। मृतका प्रमिला देवी (22) की शादी चार साल पहले गांव के ही निरंजन कुमार से हुई थी। शादी में प्रमिला के मायके वालों ने 8 लाख रुपये नकद और एक मोटरसाइकिल दहेज में दी थी। इसके बावजूद ससुराल पक्ष ने अतिरिक्त दो लाख रुपये की मांग रखी और लगातार प्रमिला को प्रताड़ित किया।प्रमिला के पिता मुन्नी यादव ने बताया कि सोमवार को बेटी ने फोन पर उन्हें बताया था, "पापा, ये लोग मुझे मार डालेंगे।" इसके कुछ ही घंटों बाद जब परिजन मेहंदीचक गांव पहुंचे, तो प्रमिला मृत अवस्था में पड़ी मिली। घर के सभी सदस्य उस समय फरार थे। पिता का आरोप है कि यह हत्या पति निरंजन कुमार के इशारे पर सास, ससुर, देवर और परिवार के अन्य सदस्यों ने मिलकर की।तेल्हाड़ा थानाध्यक्ष अजीत कुमार टिंकू ने कहा कि शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मृतका के पिता के लिखित बयान के आधार पर पति, सास, ससुर सहित कुल छह लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और 498A (दहेज प्रताड़ना) के तहत मामला दर्ज किया है। सभी आरोपी घर छोड़कर फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं।यह घटना दहेज प्रथा की भयावहता और महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार को उजागर करती है। कानून होने के बावजूद दहेज के लिए महिलाओं को प्रताड़ित कर उनकी जान लेने की घटनाएँ लगातार सामने आ रही हैं। प्रमिला देवी की हत्या ने समाज और प्रशासन के सामने यह गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है कि कब तक ऐसी क्रूर घटनाओं पर रोक नहीं लगाई जाएगी और दोषियों को सजा नहीं मिलेगी।

बिहार से शुरुआत हो

कई चरणों में मतदान आम चलन बना हुआ है। मगर साथ ही यह धारणा भी मजबूत हुई है कि इस तरह चुनाव को अत्यधिक खर्चीला बनाया गया है, जिससे कम संसाधन वाले दलों के लिए प्रतिकूल स्थितियां बनी हैं। बिहार के राजनीतिक दलों में बनी यह सहमति महत्त्वपूर्ण है कि विधानसभा चुनाव के लिए मतदान एक या अधिक से अधिक दो चरणों में कराया जाना चाहिए। निर्वाचन आयुक्तों के साथ बैठक में इन दलों ने यह राय दो-टूक लहजे में बताई। उनका यह तर्क गौरतलब है कि राज्य में ना तो कानून-व्यवस्था की कोई समस्या है और ना ही अब पहले जैसे नक्सल ग्रस्त इलाके हैं, जिन्हें तर्क बना कर अनेक चरणों में मतदान कराने की शुरुआत की गई थी। हालांकि 1990 के दशक में जब यह शुरुआत हुई, तब भी इसके पीछे की मंशा पर सवाल उठे थे, लेकिन तब प्रभु वर्ग में बिहार और पश्चिम बंगाल को लेकर एक खास तरह का प्रतिक्रिया भाव था, जिससे आयोग इस योजना को अमली जामा पहना सका। कई चरणों में मतदान धीरे-धीरे देश के अनेक हिस्सों में आम चलन बन गया। मगर साथ ही यह धारणा भी मजबूत हुई है कि इस तरह चुनाव को अत्यधिक खर्चीला बनाया गया है, जिससे कम संसाधन वाले दलों के लिए प्रतिकूल स्थितियां बनी हैं। जबकि यह सत्ताधारी दलों के अनुकूल रहा है। अच्छी बात है कि केंद्र में सत्ताधारी गठबंधन में शामिल दलों की बिहार की ईकाइयों ने भी निर्वाचन आयोग के सामने कहा कि एक या दो चरणों में चुनाव करवा कर दलों एवं उम्मीदवारों को अतिरिक्त खर्च के बोझ से बचाया जा सकता है। खर्च के अलावा हाल में एक दूसरी समस्या भी खड़ी हुई है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के रख-रखाव और उस दौरान कथित हेरफेर की शिकायतों का फैलना अब हर चुनाव की कहानी बन गया है। इस संबंध में मतदान से लेकर मतगणना के दिन तक सोशल मीडिया पर तरह-तरह की चर्चाएं छायी रहती हैं। इसका भी समाधान मतदान के बाद यथाशीघ्र गणना ही है। वैसे भी वोट डालने के बाद हफ्तों या कई बार महीने भर से भी ज्यादा तक परिणाम का इंतजार करना विसंगति भरा अहसास देता है। इसलिए बिहार के दलों ने जो कहा है, निर्वाचन आयोग को अवश्य ही उसके अनुरूप चुनाव कार्यक्रम घोषित करना चाहिए। इससे एक नई शुरुआत होगी, जिसे देश भर में अपनाया जा सकेगा।

अंडमान-निकोबार के विकास में रोड़ा बनती कांग्रेस

प्रमोद भार्गव

महान निकोबार ढांचागत परियोजना के विकास में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी रोड़ा बन रही हैं। इस परियोजना पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने एक अंग्रेजी अखबार में लिखे लेख में कहा है कि 'शोम्पेन और निकोबारी जनजातियों का अस्तित्व इस परियोजना के चलते दांव पर है। भविष्य की पीढ़ियों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता एक विशिष्ट पारिस्थितिकी तंत्र के विनाश की अनुमति नहीं दे सकती। हमें न्याय के इस उपहास और राष्ट्रीय मूल्यों के साथ इस विश्वासघात के विरुद्ध आवाज उठानी चाहिए।' इसके पहले राहुल गांधी ने भी जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम को लिखे पत्र में इस परियोजना पर आपत्ति जताई थी। विडंबना देखिए मां-बेटे को एक अत्यंत संरचनात्मक विकास परियोजना पर तो आपत्ति है लेकिन उन्हें कभी आदिवासियों के ईसाई और इस्लामीकरण पर आपत्ति नहीं होती है। दोनों के मुख से कभी नहीं सुना गया कि जबरन धर्मांतरण कतई न्यायसंगत नहीं है। दूरांचल में समुद्र तटीय क्षेत्रों में भारत विकास की दृष्टि से पीछे रहा है। उन तटीय क्षेत्रों पर भी हमने ध्यान नहीं दिया, जो देश के लिए नई आर्थिक और चीन जैसे देश से चुनौती के लिए सामरिक दृष्टि से अहम हो सकते हैं। अंडमान-निकोबार द्वीप समूह इस नाते अछूता है। इस परिप्रेक्ष्य में हम इस क्षेत्र को एक तो प्रसिद्ध सेल्यूलर जेल के नाम से जानते हैं, जो अब राष्ट्रीय स्मारक है। दूसरे उन जनजातियों के लिए जानते हैं, जो आज भी भारत की मुख्यधारा का हिस्सा नहीं बन पाई हैं। नतीजतन अपनी परंपरागत प्राकृतिक अवस्था में रहकर प्रकृति से ही गुजर-बसर कर रही हैं। किंतु अब इस उपेक्षित क्षेत्र की तस्वीर बदलने जा रही है। सिंगापुर की तर्ज पर निकोबार के तट का विकास केंद्र सरकार बड़ी मात्रा में धन का निवेश करके 'महान निकोबार द्वीप परियोजना' (जीएनआई) के अंतर्गत कर रही है। 75 हजार करोड़ की इस बृहद परियोजना के तहत कई परियोजनाओं को अंजाम तक पहुंचाने की तैयारी है। निकोबार द्वीप समूह 10 हजार 44 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला है। बंगाल की खाड़ी में पोत परिवहन को नया आयाम देते हुए 10 हजार करोड़ रुपए की लागत से एक पोतांतरण बंदरगाह (ट्रांसशिपमेंट पोर्ट) का निर्माण करने की योजना निर्माणाधीन है। यह बंदरगाह विकास से जुड़ी गतिविधियों के बड़े केंद्र के रूप में विकसित होगा। विकास के इसी क्रम में चेन्नई से अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तक तेज इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराने वाली देश की पहली समुद्री ऑप्टिकल फाइबर परियोजना का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 9 अगस्त 2022 को कर चुके हैं। देश की मुख्य भूमि से 2312 किमी दूर तक तार को समुद्री जल के भीतर बिछाया गया है। इस कठिन और चुनौतीपूर्ण कार्य में 1224 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। इस बंदरगाह को समुद्री जल मार्ग की प्रमुख गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। वैसे भी यह क्षेत्र दुनिया के कई पोतांतरण बंदरगाहों की तुलना में काफी प्रतिस्पर्धी दूरी पर स्थित है। बदलती जरूरतों के परिप्रेक्ष्य में पूरी दुनिया यह मानकर चल रही है कि जिस देश में हवाई अड्डों और बंदरगाहों का नेटवर्क और कनेक्टिविटी जितनी बेहतर होगी, इक्कीसवीं सदी के व्यापार में वही देश अग्रणी रहेंगे। ऐसे में इस दूरांचल में ढांचागत सुविधाएं बढ़ेंगी तो अंचल का विकास तो होगा ही, अन्य भारतीयों से समरसता भी बढ़ेगी। एक बार जब यह बंदरगाह बन जाएगा तो यहां बड़े-बड़े देशी-विदेशी जहाज भी रुकने लगेंगे। इससे समुद्री व्यापार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ेगी और युवाओं को नए रोजगार पैदा होंगे। अकुशल मजदूरों को भी काम-धंधा मिलेगा। इस द्वीप पर विकसित किए जा रहे माल-परिवहन के दो रणनीतिक कंटेनर पोतांतरण टर्मिनल के दो भौगोलिक फायदे होंगे। पहला, यह व्यस्त पूर्व-पश्चिमी अंतरराष्ट्रीय जहाज रानी मार्ग के निकट है। अतएव शुरू होने के बाद यह पोतांतरण की बेहतर सुविधा देगा, नतीजतन व्यापारिक गतिविधियां बढ़ेंगी। दूसरे, इस क्षेत्र में आधुनिक ढंग से निर्मित जहाजों से माल उतारने-चढ़ाने की सुविधाएं बंदरगाह पर उपलब्ध होंगी, इस कारण बड़े जहाजों की आवाजाही बढ़ेगी। फिलहाल भारत के ज्यादातर बंदरगाहों पर बड़े जहाज बंदरगाह के प्लेटफॉर्म तक नहीं पहुंच पाते हैं। अतएव छोटे जहाजों में माल उतार व लादकर गंतव्य तक पहुंचने का अतिरिक्त श्रम व मजदूरी लगती है। इस प्रक्रिया में माल का खर्च बढ़ जाता है। अंडमान-निकोबार प्रशासन ने कुछ समय पहले ही महान निकोबार द्वीप की दक्षिणी खाड़ी में मुक्त व्यापार भंडारण क्षेत्र विकसित करने के लिए कंटेनर पोतांतरण टर्मिनल के लिए प्रक्रिया आरंभ की है। इससे भारतीय पोत परिवहन को कोलंबो (लंका), सिंगापुर और मलेशिया के क्लांग बंदरगाह में पोतांतरण का नया विकल्प हासिल होगा। दरअसल वर्तमान में भारत, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता के लिए एक दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। साथ ही वैश्विक स्तर पर विनिर्माण और वस्तुओं की आपूर्ति की कड़ी में अहम भागीदारी कर खुद को एक विश्वसनीय कारोबारी के रूप में स्थापित करने में लगा है। इससे भारत को समुद्र में देशी-विदेशी यातायात और समुद्री संपदा से आर्थिक और रोजगार के नए मार्ग खुलेंगे। चीन के निकट होने के कारण इस बंदरगाह का सामरिक रूप में भी रणनीतिक व कूटनीतिक उपयोग किया जा सकेगा। विकास पूर्ण हो जाने पर यहां मछली पालन एक्वाकल्चर और सीवीड फॉर्मिंग का कारोबार बढ़ेगा। भारत के व्यापारी ही नहीं दुनिया के कई देश इस परिप्रेक्ष्य में व्यापार की बड़ी संभावनाएं देख रहे हैं। इस दृष्टि से पोर्टब्लेयर में एक पायलट परियोजना शुरू की गई थी, जिसके परिणाम उत्साहजनक रहे हैं। गुजरात के भावनगर स्थित 'केंद्रीय नमक व समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान' पिछले कई वर्षों से काम कर रहा है। भारत में लगभग 8,118 किमी समुद्र तटीय क्षेत्र है। इस पूरे क्षेत्र में मछलियों और समुद्री शैवाल व एल्गी का बड़ी मात्रा में प्राकृतिक रूप से उत्पादन होता है। प्रधानमंत्री 'मत्स्य संपदा योजना' के अंतर्गत 640 करोड़ रुपए इस संपदा को सुगम खाद्य पदार्थ में बदलने के लिए दिए गए हैं। अंडमान-निकोबार से लेकर समुद्र तटीय मछुआरों की हालत भी मैदानी क्षेत्रों में फैले गरीब व पराश्रित किसानों जैसी ही है। इन तटवर्ती क्षेत्रों में मछली पकड़कर आजीविका चलाने वाले मछुआरों की संख्या करीब आठ करोड़ है। बड़ी नदियों से मछली पकड़ कर गुजारा करने वाले भी करीब तीन करोड़ मछुआरे हैं। गोया, तय है अंडमान-निकोबार क्षेत्र में तटवर्ती मछुआरों को इस क्षेत्र के विकास का सीधा लाभ मिलेगा। मछली और सीवीड का कारोबार बढ़ेगा, जिससे इस समुदाय की समृद्धि बढ़ेगी। अंडमान-निकोबार द्वीप समूह का निकोबार क्षेत्र आरक्षित जैवमंडल (बायोस्फीयर) क्षेत्र में आता है। इसे 2013 में विशेष जैवमंडल का दर्जा दिया गया था। भारत में कुल 18 जैवमंडल क्षेत्र हैं, उनमें से एक निकोबार जनजातीय (आदिवासी) आरक्षित वन-भूमि की श्रेणी में है। इस समुद्री क्षेत्र में विशेष प्रजाति के लैदरबैक कछुए, खारे पानी में रहने वाले मगरमच्छ, निकोबारी केकड़े खाने वाले मकाक और प्रवासी पक्षी शामिल हैं। जिनका इस बहुआयामी विकास परियोजना से प्रभावित होना तय है। निर्माणाधीन पोतांतरण टर्मिनल, ऊर्जा संयंत्र, हवाई अड्डा और आवासीय भवन भी बनाए जा रहे हैं। उत्तरी और मध्य अंडमान के बीच सड़क सुविधा को बेहतर बनाने के लिए दो बड़े पुल निर्माणाधीन हैं और यहां के राष्ट्रीय राजमार्ग का चौड़ीकरण किया जा रहा है। इस कारण पर्यावरणविद् यह आशंका जता रहे हैं कि इससे यहां के प्राचीन वर्षावनों को भारी क्षति होगी। इन्हें हानि होगी तो कई दुर्लभ प्राणी व वनस्पतियों की प्रजातियों और इस भू-भाग का मानसून भी प्रभावित होगा। यही नहीं, निकोबार द्वीप समूह में गिनती के रह गए जो जनजातीय समूह आदिम अवस्था में रहते हैं, उनका नैसर्गिक जीवन प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। इनमें शोम्पेन और निकोबारी वनवासी जनजातियां शामिल हैं। इनकी संख्या करीब 1761 है। निकोबार में एक विशेष प्रजाति का- न उड़ सकने वाले पक्षी मेगापोड का भी घर है। दरअसल, यह विकास गलाथि खाड़ी और कैम्पबेल खाड़ी राष्ट्रीय उद्यानों की दस किमी परिधि में होना है, जो पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। हालांकि भारतीय प्राणी सर्वेक्षण और अंडमान-निकोबार प्रशासन के वन एवं पर्यावरण विभाग ने दावा किया है कि परियोजना से वन और प्राणियों को नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। मैंग्रोव वृक्षों का संरक्षण और दस हेक्टेयर में फैली मूंगा चट्टानों की 20,668 बस्तियों में से 16,150 बस्तियों की सुरक्षा मूल स्थान से खिसका कर की जा रही है। अतएव पर्यावरणविदों और सोनिया राहुल की आपत्तियां बेवजह हैं। यदि कुछ पर्यावरणीय हानि उठानी भी पड़ती है तो इसे इसलिए स्वीकारा जाना चाहिए, क्योंकि यह बृहद परियोजना राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिक उद्देश्यों की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

हम युद्ध में लड़े नहीं पर शामिल है!

श्रुति व्यास

दो साल हो गए है। एक ऐसे युद्ध के, जिसके हम सब, पूरी दुनिया किसी न किसी रूप में गवाह बनी हैं। इसे सभी ने हथियार उठाकर नहीं, बल्कि स्क्रीन उठाए देखा है। हथेली में थमी उस चमकदार स्क्रीन पर हमने सब होते देखा। भय और भयावहता को लाइव फीड की तरह देखा। फिर धीरे-धीरे देखने की आदत ही बना ली! सात अक्तूबर के दिन जब हमास ने हमला किया तो वह अक्लपनीय था। सब हतप्रभ। कुछ ही घंटों मे 1,200 से अधिक इजराइली मारे गए, ज़्यादातर मासूम नागरिक। घरों में, सड़कों पर, कीबुत्ज़ में, जीवन का उत्सव मनाने वाले एक संगीत समारोह में सभी तरफ। तब दुनिया ने देखा — हमास के लड़ाकों द्वारा युवा महिलाओं को बंदी बनाते हुए। उनमें से एक को निर्वस्त्र कर, बेइज़्ज़ती करते हुए ग़ाज़ा की गलियों में ट्रक पर घुमाया गया। उसके परिवार को खबर तक नहीं थी कि वह मर चुकी है, जबकि दुनिया देख चुकी थी। हमने टीवी पर उस पिता को देखा जो कैमरे के सामने टूट रहा था, अपनी अगवा की गई बेटी के लिए विनती करता हुआ — उसका दुख दुनिया भर में प्रसारित हुआ, और हम सब बस देखते रहे। थोड़े दिन इजराइल का जवाबी हमला तर्कसंगत लगा। एक देश की संप्रभुता, आतंक-विरोध और न्याय की भाषा में ढला हुआ। बेंजामिन नेतन्याहू के इजराइल ने वही अमेरिकी मिसाल दोहराईः अगर अमेरिका 9/11 के बाद अल-कायदा को मिटाने के लिए युद्ध कर सकता है, तो इजराइलनभी हमास को 'नष्ट' करने के लिए कर सकता है। लेकिन इस भाषा के नीचे राजनीति की सुविधा छिपी थी। नेतन्याहू, जो घरेलू भ्रष्टाचार मामलों और विरोध प्रदर्शनों से घिरे थे, उन्हें युद्ध में राहत मिली — एक संकट जो विरोध को निगल गया, एक भय जो जनता को एक साथ बाँध गया। और इसके साथ ही शुरू हुआ दूसरा नरसंहार। इजराइली रॉकेटों ने ग़ाज़ा की बस्तियाँ समतल कर दीं। पूरे-पूरे परिवार एक ही वार में मिट गए। अस्पताल ईंधन के अभाव में अंधेरे में डूब गए। बच्चे तख़्तों पर रखकर निकाले गए, राहत-काफ़िले सीमाओं पर रोके गए, शरणार्थी नंगे पाँव मलबे पर चलने लगे। यूनिसेफ़ के अनुसार युद्ध शुरू होने के बाद से ग़ाज़ा में 19 हज़ार से अधिक बच्चे मारे गए या लापता हुए हैं। और फिर आई मानव-निर्मित अकाल की त्रासदी। भूखे बच्चे, लापता माता-पिता, और एक ऐसी दुनिया जो न पहुँच सकी, न बोल सकी। हमने वह दृश्य भी देखा जब अल-जज़ीरा के पत्रकार वायल दहदूह मलबे के बीच खड़े होकर रिपोर्टिंग करते हैं — उसी आवाज़ में जिसमें वे अपनी पत्नी और चार बच्चों की मौत की ख़बर बताते हैं। कुछ दिन पहले, एक और पिता की तस्वीर देखी — अपनी एकमात्र बेटी नूर के लिए विलाप करता हुआ। छह वर्षों के इंतज़ार के बाद मिली वह बच्ची, जिसे उसने मलबे के नीचे खो दिया। माँ, चेहरे पर धूल और अविश्वास लिए, उस खंडहर पर खड़ी थी जिसने उसका पूरा संसार निगल लिया था। बचावकर्मी नंगे हाथों से मलबा खोद रहे थे, जब तक कि उन्हें वह छोटी सी निस्पंद देह नहीं मिली — जीवन रहित, पर माता-पिता अब भी साँस माँग रहे थे जहाँ अब साँस बाकी नहीं थी। दो साल बीत गए, और हर तस्वीर एक-सी हो गई — भयावह, परिचित, निर्दय। इजराइल में ख़ाली कुर्सियाँ, शब्बात डिनर पर गुम लोग, वे परिवार जो हर सुबह अनुपस्थिति के साथ जागते हैं। ग़ाज़ा में तंबू, मलबा, बेनाम कब्रें, धूल से ढके चेहरे। दोनों ओर से हर तस्वीर एक ही प्रश्न पूछती है — यह युद्ध अब क्या हासिल करना चाहता है? लेकिन जबकि यह सवाल अब भी अनुत्तरित है, राजनीति की मशीनरी चलती रहती है। शांति की बातचीतें फिर शुरू होती हैं — हर बार की तरह, जल्दबाज़ी में, औपचारिकता की तरह। क्योंकि हम पहले भी यहाँ आ चुके हैं — बार-बार। अक्तूबर 2023 के बाद से इजराइल और हमास के बीच सात युद्धविराम किए गए या प्रयास हुए। पहला, नवंबर में, सात दिनों की संधि थी — 100 से अधिक इजराइली बंधक और 240 फ़िलिस्तीनी कैदी छोड़े गए। फिर जैसे हर बार होता है, समझौते की स्याही सूखने से पहले ही बमबारी शुरू हो गई। बाद के सभी प्रयास — मिस्र, क़तर और अमेरिका की मध्यस्थता में — कुछ दिनों में ढह गए। हर बार वही हेडलाइनें, वही उम्मीदें, वही वादे, और फिर वही विस्फोट। हर विराम अस्थायी रहा, हर ख़ामोशी नाजुक। और हर बार, कीमत चुकाई नागरिकों ने — विस्थापितों ने, भूखों ने, शोकाकुलों ने — उस उम्मीद की, जो हर बार टूट जाती है। अब फिर, जैसे नियति है, इजराइली सरकार और सेना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'ग़ाज़ा शांति योजना' के पहले चरण की तैयारी में हैं — एक ऐसी योजना जो रविवार की डेडलाइन में इतिहास को समेट लेना चाहती है। हमास ने भी बयान दिया है — बचे हुए 47 बंधकों की रिहाई के साथ युद्धविराम और ग़ाज़ा से अपने शासन का हटना। लेकिन जैसे ही यह घोषणाएँ आईं, उसी पल ग़ाज़ा सिटी से फिर तस्वीरें आईं — ओमर अल-मुख़्तार स्ट्रीट पर धमाके, धुआँ, भागती भीड़, और ट्रंप के 'रोकने' के अनुरोध के बाद भी जारी बमबारी। और दुनिया एक बार फिर देखती रही — थकी हुई, असमंजस में, और इस बार भी सहभागी की तरह — जबकि शांति बोली जाती रही, पर कभी जीने नहीं दी गई। अगर इतिहास बोल सकता, तो शायद आह भरता। वह याद दिलाता कि युद्ध कभी वैसे ख़त्म नहीं होते जैसे उनके कर्ता चाहते हैं। अमेरिका का 'वॉर ऑन टेरर' इराक को राख बना गया, अफ़ग़ानिस्तान को उसी तालिबान के हवाले छोड़ गया जिससे वह लड़ा था। रूस-यूक्रेन युद्ध अब स्थायी घाव बन चुका है। हर युद्ध दृढ़ विश्वास से शुरू होता है और थकान में ख़त्म होता है; हर नेता जीत का दावा करता है, जबकि नागरिक उसकी क़ीमत चुकाते हैं। यह युद्ध भी अलग नहीं था। इजराइल ने सुरक्षा के नाम पर मलबा पाया, हमास ने अपने ही लोगों की लाशों पर नायकत्व गढ़ा, और दुनिया ने एक और पीढ़ी का दुख कमाया। भला 40 हज़ार मौतों को कौन-सी तर्कसंगति सही ठहरा सकती है? जिनमें आधे बच्चे हैं? कौन-सी नीति उन बंधकों को लौटाएगी जो कभी लौटे नहीं, या उन शहरों को जो धूल बन गए? क्या संप्रभुता बचाई गई, या मानवता गंवाई गई? युद्ध का गणित हमेशा निर्मम होता है — सरकारें सीमाएँ गिनती हैं, शव नहीं। पर जिन्होंने अपने बच्चे, अपने माता-पिता, अपने प्रेमी खोए हैं, उनके लिए कोई झंडा उस रिक्तता को नहीं भर सकता। अगर युद्ध शांति लाने के लिए होते, तो दुनिया आज इतनी टूटी, बिखरी हुई क्यों है? अगर प्रतिशोध व्यवस्था लौटाने के लिए था, तो इसने केवल क्रोध क्यों बढ़ाया? सच यही है — इस युद्ध में कोई नहीं जीता। न इजराइल, न हमास, न वह दुनिया जो खुद को शांति का मध्यस्थ कहती है। हम सब हार गए — विनाश के इस तमाशे से सुन्न, जिसे हम न रोक सके, न आँख फेर सके। ग़ाज़ा की त्रासदी, हर पिछले युद्ध की तरह, केवल इसलिए भयावह नहीं कि यह हुआ; बल्कि इसलिए है कि हमने इसे होने दिया, तब तक, जब तक अर्थ ही लहूलुहान नहीं हो गया।

समय के साथ बदल रहा है डाक विभाग

विश्व डाक दिवस (9 अक्टूबर) पर विशेष

रमेश सर्राफ धमोरा

पूरी दुनिया में 9 अक्टूबर को विश्व डाक दिवस के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 1874 में इसी दिन यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन का गठन करने के लिए स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न में 22 देशों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया था। 1969 में जापान के टाकियो शहर में आयोजित सम्मेलन में विश्व डाक दिवस के रूप में इसी दिन को चयन किये जाने की घोषणा की गयी थी। 01 जुलाई 1876 को भारत यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन का सदस्य बनने वाला भारत पहला एशियाई देश था। जनसंख्या और अंतरराष्ट्रीय मेल ट्रैफिक के आधार पर भारत शुरू से ही प्रथम श्रेणी का सदस्य रहा है। भारत में डाकघर का इतिहास ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के समय से शुरू होता है जब रॉबर्ट क्लाइव ने 1766 में पहली डाक व्यवस्था स्थापित की। वॉरेन हेस्टिंग्स ने 1774 में कोलकाता में पहला डाकघर खोला और 1854 में लॉर्ड डलहौजी ने भारत में एक राष्ट्रीय डाक सेवा की शुरुआत की। आज भारतीय डाक दुनिया के सबसे बड़े डाक नेटवर्क में से एक है जो बैंकिंग, बीमा और अन्य सेवाओं के साथ आम आदमी का भरोसेमंद साथी है। 01 अक्टूबर 1854 को भारतीय डाक विभाग की स्थापना के साथ भारत में पहली बार डाक टिकट भी जारी किया गया था। विश्व डाक दिवस का मकसद देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में डाक क्षेत्र के योगदान के बारे में जागरुकता पैदा करना है। दुनिया भर में प्रत्येक वर्ष 150 से ज्यादा देशों में विविध तरीकों से विश्व डाक दिवस आयोजित किया जाता है। भारतीय डाक प्रणाली का जो उन्नत और परिष्कृत स्वरूप आज हमारे सामने है, वह लंबे सफर की देन है। अंग्रेजों ने डेढ़ सौ साल पहले अलग-अलग हिस्सों में अपने तरीके से चल रही डाक व्यवस्था को एक सूत्र में पिरोने की पहल की थी। उन्होने भारतीय डाक को नया रूप-रंग दिया। पर अंग्रेजों की डाक प्रणाली उनके सामरिक और व्यापारिक हितों पर केंद्रित थी। हमारे देश में पहले डाक विभाग का इतना अधिक महत्व था कि फिल्मों तक में डाकिये पर कई मशहूर गाने फिल्माये गये हैं। मगर अब नजारा पूरी तरह से बदल चुका है। इंटरनेट के बढ़ते प्रभाव ने डाक विभाग के महत्व को बहुत कम कर दिया है। आज लोगों ने हाथों से चिट्ठियां लिखना छोड़ दिया है। अब ई-मेल, वाट्सएप व सोशल मीडिया, इंटरनेट के माध्यमों से मिनटो में लोगो में संदेशों का आदान प्रदान हो जाता है। आज डाक में लोगों की चिट्ठियां तो गिनती की ही आती है। मनीआर्डर भी बन्द ही हो गये हैं। मगर डाक से अन्य सरकारी विभागों से सम्बन्धित कागजात, बैंको व अन्य संस्थानो के प्रपत्र काफी संख्या में आने से डाक विभाग का महत्व फिर से एक बार बढ़ गया है। डाक विभाग कई दशकों तक देश के अंदर ही नहीं बल्कि एक देश से दूसरे देश तक सूचना पहुंचाने का सर्वाधिक विश्वसनीय, सुगम और सस्ता साधन रहा है। लेकिन इस क्षेत्र में निजी कम्पनियों के बढ़ते दबदबे और फिर सूचना तकनीक के नये माध्यमों के प्रसार के कारण डाक विभाग की भूमिका लगातार कम होती गयी है। वैसे इसकी प्रासंगिकता पूरी दुनिया में आज भी बरकरार है। भारत में डाक विभाग के महत्व को मशहूर शायर निदा फाजली के शेर -सीधा-साधा डाकिया जादू करे महान, एक ही थैले में भरे आंसू और मुस्कान - से समझा जा सकता है। शायर निदा फाजली ने जब यह शेर लिखा था उस वक्त देश में संदेश पहुंचाने का डाक विभाग ही एकमात्र साधन था। डाकिये के थैले में से निकलने वाली चिट्ठी पढ़कर कोई खुश होता था तो कोई दुखी। कुछ वर्ष पूर्व तक डाक विभाग हमारे जनजीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा होता था। गांव में जब डाकिया आता था तो बच्चे-बूढ़े सभी उसके साथ डाक घर की तरफ इस उत्सुकता से चल पड़ते थे कि उनके भी किसी परिजन की चिट्ठी आयेगी। डाकिया जब नाम लेकर एक-एक चिट्ठी बांटना शुरू करता तो लोग अपनी या अपने पड़ोसी की चिट्ठी ले लेते व उसके घर जाकर उस चिट्ठी को बड़े चाव से देते थे। उस वक्त शिक्षा का प्रसार ना होने से अक्सर महिलायें अनपढ़ होती थी। इसलिये चिट्ठी लाने वालों से ही चिट्ठियां पढ़वाती भी थी और लिखवाती भी थी। कई बार चिट्ठी पढने-लिखने वाले बच्चों को ईनाम स्वरूप कुछ पैसा या खाने को गुड़, पताशे भी मिल जाया करते थे। इसी लालच में बच्चे ज्यादा से ज्यादा घरों में चिट्ठियां पहुंचाने का प्रयास करते थे। उस वक्त गांवों में बैक शाखा नहीं होती थी। इस कारण बाहर कमाने गये लोग अपने घर पैसा भी डाक में मनीआर्डर के द्वारा ही भेजते थे। मनीआर्डर देने डाकिया स्वयं प्राप्तकर्ता के घर जाता था व भुगतान के वक्त एक गवाह के भी हस्ताक्षर करवाता था। डाक विभाग अति आवश्यक संदेश को तार के माध्यम से भेजता था। तार की दर अधिक होने से उसमें संक्षिप्त व जरूरी बातें ही लिखी जाती थी। तार भी साधारण और जरूरी होते थे। जरूरी तार की दर सामान्य से दोगुनी होती थी। देश में पहली बार 11 फरवरी 1855 को शुरू हुई तार सेवा को सरकार ने 15 जुलाई 2013 से बन्द कर दिया है। इसके साथ ही डाक विभाग ने रजिस्टर्ड डाक सेवा को भी 01 अक्टूबर 2025 से स्पीड पोस्ट में विलय कर दिया है। भारतीय डाक विभाग पिनकोड नम्बर (पोस्टल इंडेक्स नम्बर) के आधार पर देश में डाक वितरण का कार्य करता है। पिनकोड नम्बर का प्रारम्भ 15 अगस्त 1972 को किया गया था। इसके अन्तर्गत डाक विभाग द्वारा देश को नो भौगोलिक क्षेत्रो में बांटा गया है। संख्या 1 से 8 तक भौगोलिक क्षेत्र हैं व संख्या 9 सेना की डाक सेवा को आवंटित किया गया है। पिन कोड की पहली संख्या क्षेत्र दूसरी संख्या उपक्षेत्र, तीसरी संख्या जिले को दर्शाती है। अन्तिम तीन संख्या उस जिले के विशिष्ट डाकघर को दर्शाती है। डाक विभाग के अंतर्गत केंद्र सरकार ने इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक (आईपीपीबी) शुरू किया है। देश के हर व्यक्ति के पास बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाने के क्रम में यह एक बड़ा विकल्प होगा। इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक ने देशभर में बैंकिंग सेवाएं शुरू कर दी है। आने वाले दिनों में इस के माध्यम से देश का सबसे बड़ा बैंकिंग नेटवर्क अस्तित्व में आएगा, जिसकी हर गांव तक मौजूदगी होगी। इन सेवाओं के लिए पोस्ट विभाग के 11000 कर्मचारी घर-घर जाकर लोगों को बैंकिंग सेवाएं देंगे। बदलते हुए तकनीकी दौर में दुनिया भर की डाक व्यवस्थाओं ने मौजूदा सेवाओं में सुधार करते हुए खुद को नयी तकनीकी सेवाओं के साथ जोड़ा है। डाक, पार्सल, पत्रों को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए एक्सप्रेस सेवाएं शुरू की हैं। डाक घरों द्वारा मुहैया करायी जानेवाली वित्तीय सेवाओं को भी आधुनिक तकनीक से जोड़ा गया है।

मेष राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। कुछ लोग आपको कंफ्यूज करने की कोशिश करेंगे। दूसरों की बातों में न आकर अपने निर्णय को ही सर्वोपरि रखें, इससे आपके कार्य बड़ी ही आसानी से पूरे होंगे। ऑफिस में अपने काम पर ध्यान देने से आप सम्मान के पात्र बने रहेंगे। मार्केटिंग से जुड़े लोगों को आज ज्यादा लाभ के योग बन रहे हैं। किसी कार्य को पूरा करने में पुरानी कम्पनी का अनुभव काम आएगा। अचानक धन लाभ होने के योग बने हुए हैं।

वृष राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आप अपने काम पर पूरा फोकस बनाये रखें, जल्द ही भविष्य में अच्छा लाभ मिलेगा। बिजी शेड्यूल से थोड़ा समय बच्चों के लिए निकालेंगे, बच्चे अपने मन की बात आपसे शेयर करेंगे। लवमेट एक-दूसरे पर विश्वास बनाए रखें, रिश्ते में मजबूती बनी रहेगी। छात्रों को थोड़ी और मेहनत की जरूरत है। सफलता के योग बने हुए हैं। संतान की ओर से कोई खुशखबरी मिल सकती है। परीक्षा का बेहतर परिणाम हासिल होगा।

मिथुन राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अपनी बातों से किसी को प्रभावित कर देंगे। समाज में किये गए सराहनीय काम को देखकर लोग आपसे कुछ अच्छा सीखेंगे, जिससे आपको गर्व होगा। शिक्षण संस्थान से जुड़े लोगों को ज्यादा लाभ होगा। स्टूडेंट अपने आप पर भरोसा बनाए रखें, जल्द ही सफलता मिलेगी।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आपका कोई काम जो काफी दिनों से रुका था, आज पूरा हो जाएगा। साथ ही आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। विद्यार्थियों द्वारा की गई मेहनत का शुभ परिणाम मिलेगा। जल्दबाजी में कोई भी निर्णय न लें, इससे बना बनाया काम बिगड़ सकता है। मित्रों की सलाह भी ले सकते हैं। किसी के प्रति प्रतिशोध की भावना न रखें।

सिंह राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। मानवहित में किये गये कार्यों के कारण आपको सम्मान मिलेगा। गैर-जरूरी खर्चों पर रोक लगाकर आप बचत पर ध्यान देंगे। व्यवसायिक गतिविधियां मन मुताबिक चलेंगी। काम करने के तरीकों में बदलाव लाएंगे। आत्मविश्वास बनाए रखें। अवसर मिलने पर उसका फायदा उठाएं।

कन्या राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। सरकारी नौकरी करने वाले अपने काम पर ज्यादा ध्यान दें। किसी से बहस की स्थिति बन सकती है, ऐसे में मौन रहना बेहतर होगा। पब्लिक प्लेस पर छवि खराब न होने दें। लवमेट के रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपके काम करने के तरीकों से लोग प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे। आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। बातचीत के दौरान अपनी निजी बातें शेयर न करें। जिस काम की शुरुआत करेंगे, वह समय पर पूरा होगा। कोर्ट से संबंधित कोई मामला चल रहा है तो उसके सुलझने की पूरी उम्मीद है।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। मित्रों से मन की बात शेयर करने से सुकून मिलेगा। आपको नई जानकारियां भी हासिल होंगी। रिश्तेदार से शुभ संदेश मिलेगा, जिससे खुशी दोगुनी होगी। बिजनेस में खास एग्रीमेंट होगा, लेकिन कॉम्पटीशन के दौर में कार्य करने के तरीकों में बदलाव जरूरी है।

धनु राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। निजी कामों पर बाहरी लोगों का दखल न होने दें। भावनाओं में आकर कोई फैसला न लें। ज्यादा काम के कारण थकान हो सकती है।छोटी-छोटी परेशानियां जल्द दूर होंगी। परिवार में सुखद माहौल रहेगा। व्यापार में मिली जिम्मेदारियों को सफलता से निभाएंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। शाम का समय माता-पिता के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे, जिससे अच्छा समाधान मिलेगा। किसी काम की शुरुआत करने से पहले शुभ मुहूर्त देखना बेहतर होगा। समाज में किये गए कार्यों से मान-सम्मान बढ़ेगा। कोई विश पूरी होगी जिससे खुशी मिलेगी।

कुम्भ राशिः आज का दिन परिवार के लिए नई खुशियां लेकर आया है। किसी अनुभवी से मिली सलाह फायदेमंद साबित होगी। काम को लेकर आपके सपने काफी हद तक पूरे होंगे। स्वयं को साबित करने के लिए बेहतर दिन है। परिवार में सामंजस्य से शांति का माहौल रहेगा। प्रकृति के बीच समय बिताने से फ्रेशनेस महसूस होगी।

मीन राशिः आज का समय आपके लिए अच्छा है। पारिवारिक समस्या हल होगी और रुके काम में गति आएगी। सकारात्मक लोगों की सलाह फायदेमंद होगी। मेहनत का उचित फल जल्द मिलेगा। अफवाहों पर ध्यान न दें। ऑफिसियल यात्रा संभव है, जो शुभ होगी। जीवनसाथी के साथ डिनर प्लान करेंगे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

दिल्ली टेस्ट में जडेजा और राहुल के पास 4,000 रन पूरे करने का सुनहरा मौका

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट मैच 10 अक्टूबर से दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मुकाबले से पहले टीम इंडिया के दो स्टार बल्लेबाज रवींद्र जडेजा और केएल राहुल टेस्ट क्रिकेट में 4,000 रन पूरे करने के करीब पहुंच चुके हैं। भारत सीरीज में पहले ही 1-0 की बढ़त बनाए हुए है।

पिछले अहमदाबाद टेस्ट में शानदार 104* रन की नाबाद पारी और चार विकेट लेकर 'प्लेयर ऑफ द मैच' बने रवींद्र जडेजा इस समय अपने करियर के बेहतरीन फॉर्म में हैं। वह अब तक 86 टेस्ट में 3,990 रन बना चुके हैं और इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्हें सिर्फ 10 रन की जरूरत है। उनका औसत 38.73 का है, जिसमें 6 शतक और 27 अर्धशतक शामिल हैं। इस साल जडेजा ने 7 टेस्ट में 659 रन बनाए हैं, औसत 82.37 रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में उन्होंने 516 रन बनाए और कई अहम पारियों से टीम को मजबूती दी।

दूसरी तरफ केएल राहुल ने अहमदाबाद टेस्ट में अपने घरेलू मैदान पर नौ साल बाद शतक लगाया था। वह भी 4,000 रन के आंकड़े से बस 111 रन दूर हैं। राहुल ने अब तक 64 टेस्ट में 3,889 रन बनाए हैं, औसत 36.00 है। उनके नाम 11 शतक और 19 अर्धशतक दर्ज हैं, जबकि उनका सर्वोच्च स्कोर 199 रन है। इस साल राहुल ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 7 मैचों में 649 रन बनाए हैं, औसत करीब 50 का रहा है। इस दौरान उन्होंने तीन शतक और दो अर्धशतक जड़े हैं, जबकि उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 137 रहा। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में 532 रन बनाकर उन्होंने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट प्रदर्शन किया।

10 अक्टूबर से शुरू हो रहे दिल्ली टेस्ट में अब सभी की निगाहें इन दोनों खिलाड़ियों पर रहेंगी, जो एक ही मैच में ऐतिहासिक 4,000 रन का आंकड़ा छू सकते हैं।

जडेजा और सिराज ने हासिल की करियर की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट रैंकिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ आईसीसी टेस्ट रैंकिंग हासिल की है। अहमदाबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज के पहले मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के बाद जडेजा को बड़ा फायदा हुआ है। भारत की एकमात्र पारी में 104 नाबाद रन बनाने वाले जडेजा टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में चार पायदान की छलांग लगाकर 25वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके करियर में यह अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। इससे पहले उनकी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 29वीं थी। जडेजा अब 644 रेटिंग अंक पर पहुंच गए हैं। वहीं, दूसरी पारी में चार विकेट झटकने से उन्होंने ऑलराउंडर रैंकिंग में भी शीर्ष पर अपनी बढ़त को 125 अंकों तक मजबूत कर लिया है। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने भी इंग्लैंड दौरे के अच्छे प्रदर्शन को जारी रखते हुए चार विकेट (4/40) और तीन विकेट (3/31) झटके। इसके दम पर वह गेंदबाजी रैंकिंग में तीन स्थान की छलांग लगाकर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं और 700 रेटिंग अंकों के पार पहुंच गए हैं। इसके अलावा, भारतीय बल्लेबाज के.एल. राहुल और ध्रुव जुरेल को भी रैंकिंग में बढ़त मिली है। दोनों ने शतक जड़े थे — राहुल चार स्थान ऊपर उठकर 35वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि जुरेल 20 स्थान ऊपर चढ़कर 65वें स्थान पर पहुंच गए हैं। बाएं हाथ के कलाई स्पिनर कुलदीप यादव को दो किफायती विकेटों का इनाम मिला है और वे सात स्थान ऊपर बढ़कर 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वेस्टइंडीज की ओर से इस मुकाबले में कोई खास प्रदर्शन नहीं हुआ। कोई भी बल्लेबाज अर्धशतक नहीं लगा सका और न ही कोई गेंदबाज दो से अधिक विकेट ले पाया।

टी20 रैंकिंग में भी बदलाव- आईसीसी पुरुष टी20 खिलाड़ी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श ने फरवरी 2024 के बाद पहली बार टॉप-10 बल्लेबाजों में वापसी की है। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में पहले मैच में 85 रन और तीसरे मैच में नाबाद 103 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड के टिम रॉबिन्सन ने पहले मैच में नाबाद 106 रन की पारी खेली और 58 स्थानों की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 22वें स्थान पर पहुंच गए हैं। यूएई में खेले गए टी20 सीरीज में बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को 3-0 से हराया। बांग्लादेश के बल्लेबाज सैफ हसन ने तीसरे मैच में नाबाद 64 रन बनाए और पहली बार टॉप-20 बल्लेबाजों में जगह बनाई। तंजीद हसन 43वें से 37वें और परवेज हुसैन 71वें से 53वें स्थान पर पहुंच गए हैं। अफगानिस्तान के स्टार ऑलराउंडर राशिद खान ने पहले दो मैचों में शानदार गेंदबाजी करते हुए (4/18 और 2/29) गेंदबाजी रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है, जो जून पिछले साल के बाद उनकी सर्वश्रेष्ठ पोजीशन है। उनके साथी नूर अहमद आठ स्थान की छलांग लगाकर 17वें और मुजीब उर रहमान छह स्थान बढ़कर 23वें स्थान पर पहुंच गए हैं। बांग्लादेश के गेंदबाजों में तंजीम हसन साकिब नौ स्थान चढ़कर 33वें, शोरफुल इस्लाम 21 स्थान चढ़कर संयुक्त 49वें, और प्लेयर ऑफ द सीरीज नासुम अहमद 131वें से 44वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

श्रीलंकाई प्रीमियर लीग दिसंबर में शुरु होगी, पहली बार भारतीय क्रिकेटरों के शामिल होने की संभावना

एजेंसी, कोलंबो

श्रीलंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) क्रिकेट का छठा सत्र इस साल के अंत में खेला जाएगा। इसमें भारतीय क्रिकेटर पहली बार खेलते हुए नजर आयेंगे। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) के आयोजकों ने कहा है कि लीग का छठा सत्र एक दिसंबर से शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में कुल 24 मैच होंगे जिसमें 20 लीग मैच और चार नॉकआउट मुकाबले होंगे। ये मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, कैंडी के पाल्लेकल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और दांबुला के रनगीरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। इस लीग में पहली बार भारतीय क्रिकेटरों के भी शामिल होने की उम्मीद है हालांकि ये पता नहीं चला है कि कौन से क्रिकेटर इसमें खेलेंगे। अगर इसमें भारतीय क्रिकेटर खेलते हैं तो लीग का आकर्षण और बढ़ जाएगा।''इस प्रारूप के अनुसार लीग चरण के दौरान सभी पांच फ्रेंचाइजी एक-दूसरे के खिलाफ दो बार प्रतिस्पर्धा करेंगी। राउंड रोबिन चरण के अंत में शीर्ष चार में रहने वाली टीम प्लेऑफ में जगह बनाएंगी।

पृथ्वी शॉ फिर विवादों में, अभ्यास मैच में मुशीर को बल्ला लेकर मारने दौड़े

एजेंसी, पुणे

भारतीय टीम से लंबे समय से बाहर चल रहे बल्लेबाज बल्लेबाज पृथ्वी शॉ का विवादों से पुराना नाता रहा है। हाल में मुम्बई छोड़कर महाराष्ट्र टीम से खेल रहे पृथ्वी यहां एक अभ्यास मैच में अपने पुराने साथियों से भिड़ गये। महाराष्ट्र और मुम्बई के बीच खेले गए एक अभ्यास मैच में पृथ्वी मुंबई टीम के मुशीर खान को मारने तक दौड़ गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस मैच में पृथ्वी शतक लगाने के बाद मुशीर की गेंद पर आउट हुए। उन्होंने 220 गेंदों पर 181 रन बनाये थे। जैसे ही वह मैदान से बाहर आये। मुम्बई के कुछ खिलाड़ियों ने उनसे अपशब्द कहे। इस पर पृथ्वी भी भड़क गये और मुशीर की ओर बल्ला लेकर आगे बढ़े। तब अन्य खिलाड़ियों और अंपायरों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत किया। पृथ्वी की पहले सिद्धेश लाड के साथ हुई थी। इसके बाद ये मामला बढ़ गया। पृथ्वी पहले भी कई बार विवादों में रहे है और इससे उनका करियर भी खतरे में पड़ा है। अब जबकि वह पटरी पर आते नजर आये तो एक बार फिर नये विवाद में फंस गये। पृथ्वी ने भारतीय टीम की ओर से पांच टेस्ट, छह एकदिवसीय और एक टी20 मैच खेला है। भारतीय टीम से बाहर होने के बाद घरेलू क्रिकेट में भी उनका प्रदर्शन गिरा है। इसी कारण उन्हें रणजी ट्रॉफी के लिए भी टीम में जगह नहीं मिली थी। इसके बाद ही वह मुंबई छोड़कर महाराष्ट्र टीम से खेलने लगे थे। इसके बाद से ही उनका प्रदर्शन कुछ सुधारा है। उन्होंने अभ्यास मैच में शतक लगाया जिससे उनकी टीम पहले दिन 400 रनों से ऊपर पहुंचने में सफल रही।

शंघाई मास्टर्स 2025: थकान और चोट से जूझते हुए जोकोविच क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

एजेंसी, शंघाई

नोवाक जोकोविच ने थकान और टखने की चोट के बावजूद जबरदस्त जुझारूपन दिखाते हुए मंगलवार को स्पेन के जौमे मुनार को 6-3, 5-7, 6-2 से हराकर शंघाई मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ 38 वर्षीय सर्बियाई स्टार टूर्नामेंट में रिकॉर्ड पांचवां खिताब जीतने की दिशा में आगे बढ़ते रहे हैं, जबकि कई शीर्ष वरीय खिलाड़ी पहले ही बाहर हो चुके हैं। मैच के निर्णायक सेट में जोकोविच कुछ समय के लिए बेहद थके हुए और चोटिल नज़र आए, जिससे लगा कि वे मुकाबला पूरा नहीं कर पाएंगे। लेकिन उन्होंने हिम्मत जुटाई और तीसरे सेट में अपने प्रतिद्वंद्वी को दो बार तोड़ते हुए जीत दर्ज की। मैच के बाद जोकोविच ने चीनी दर्शकों से कहा, "थैंक यू, थैंक यू, आई लव यू!", और कोर्ट से लगभग तुरंत बाहर चले गए। 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता ने शानदार शुरुआत की थी और चौथे गेम में ब्रेक हासिल किया, लेकिन जल्द ही उन्हें मेडिकल ब्रेक लेना पड़ा जब नेट की ओर दौड़ते समय उनका बायां टखना फिसल गया। फिजियो के उपचार के बाद उन्होंने मैच जारी रखा और पांचवां गेम होल्ड किया। दूसरे सेट के दौरान उन्होंने फिर से उपचार लिया और थकान के लक्षण स्पष्ट दिखाई दिए। 41वीं रैंक वाले मुनार ने दूसरे सेट के 12वें गेम में जोकोविच की गलती का फायदा उठाते हुए सेट अपने नाम कर लिया। जोकोविच उस समय कोर्ट पर गिर पड़े और कुछ क्षण तक वहीं पड़े रहे, लेकिन अपनी टीम की मदद से दोबारा उठे। तीसरे सेट में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए पहले और सातवें गेम में ब्रेक हासिल किया और दर्शकों को रोमांचित कर दिया। जोकोविच अब टूर्नामेंट में बचे हुए सबसे उच्च रैंकिंग वाले खिलाड़ी हैं।

व्यापार

चार दिन की तेजी के बाद शेयर बाजार टूटा, गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। लगातार चार कारोबारी दिन तक तेजी दिखाने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत भी मामूली कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में भी उतार-चढ़ाव होता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.19 प्रतिशत और निफ्टी 0.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। माना जा रहा है कि कमजोर ग्लोबल संकेतों की वजह से घरेलू शेयर बाजार आज दबाव में आ गया। इसके साथ ही पिछले 4 दिन से जारी तेजी के माहौल के वजह से आज बाजार में मुनाफा वसूली का दबाव भी काफी अधिक रहा। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी और इंडिया वोलैटिलिटी इंडेक्स में बढ़ोतरी होने की वजह से भी घरेलू शेयर बाजार पर आज लगातार दबाव बना रहा। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में जमकर बिकवाली होती रही। इसी तरह बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस और मेटल इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल और टेक सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.74 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप

इंडेक्स ने 0.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 457.88 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 460.23 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.35 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,330 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,740 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,435 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 155 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,801 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,118 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,683 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 9 शेयर बढ़त के साथ और 21 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 17 शेयर हरे निशान में और 33 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 27.24 अंक की कमजोरी के साथ 81,899.51 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक ने थोड़ी देर में ही हरे निशान में अपनी जगह बना ली। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से पहले आधे घंटे के कारोबार में ही सेंसेक्स 330.99 अंक की मजबूती के साथ 82,257.74 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 611 अंक से अधिक टूटकर 280.67 अंक की कमजोरी के साथ 81,646.08 अंक तक गिर गया।

आरबीआई ने महाराष्ट्र के बैंक का किया लाइसेंस रद्द, लोगों के खाते किए सीज

नई दिल्ली। आरबीआई ने पर्याप्त पूंजी के अभाव और कमाई की संभावना नहीं होने से जीजामाता महिला सहकारी बैंक, सतारा (महाराष्ट्र) का लाइसेंस रद्द कर दिया है। रिजर्व बैंक ने सख्त कदम उठाते हुए सहकारी बैंक को पूरी तरह बंद कर दिया है। आरबीआई के इस कदम के बाद बैंक के हजारों लोगों के खाते सीज हो गए हैं और उनके लिए पैसा निकालना असंभव हो गया है। रिजर्व बैंक ने इस सहकारी बैंक का लाइसेंस इससे पहले 30 जून, 2016 को ही रद्द किया था और बाद में बैंक की अपील पर 23 अक्टूबर, 2019 को फिर से बहाल कर दिया था। अब रिजर्व बैंक ने

कहा है कि अपीलीय प्राधिकरण ने निर्देश दिया है कि वित्तीय स्थिति का आकलन करने के लिए 2013-14 के लिए बैंक का फोरेंसिक ऑडिट किया जाए। आरबीआई ने एक फोरेंसिक ऑडिटर नियुक्त किया था, लेकिन बैंक के असहयोग के कारण ऑडिट पूरा नहीं हो सका। रिजर्व बैंक ने लाइसेंस रद्द करते हुए कहा कि आकलन के मुताबिक बैंक की वित्तीय स्थिति बिगड़ती जा रही है। बैंक 7 अक्टूबर, 2025 को कारोबार की समाप्ति से बैंकिंग व्यवसाय बंद कर चुका है। महाराष्ट्र के सहकारी समितियों के पंजीयक से बैंक को बंद करने और बैंक के लिए एक परिसमापक नियुक्त करने का अनुरोध किया है। लाइसेंस रद्द होने के कारण सभी बैंकिंग कामकाज भी ठप हो गए हैं। अब न तो बैंक में कोई राशि जमा हो सकती है और न ही निकाली जा सकती है। आरबीआई ने कहा है कि जांच पूरी होने तक और दोबारा सेवाएं शुरू होने तक बैंक के प्रत्येक जमाकर्ता को जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से अपनी जमा राशि पर पांच लाख रुपए तक की निकासी का दावा करने का अधिकार मिलेगा।

सर्राफा बाजार में मजबूती का रिकॉर्ड बनने का सिलसिला जारी, नए शिखर पर सोना और चांदी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमत में रिकॉर्ड तेजी का सिलसिला आज भी जारी है। दोनों चमकीली धातु आज एक बार फिर मजबूती के नए शिखर पर पहुंच गई हैं। आज के कारोबार में सोना 1,150 रुपये से लेकर 1,250 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इसी तरह चांदी भी 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गया है। कीमत में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,22,030 रुपये से लेकर 1,22,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,11,860 रुपये से लेकर 1,12,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,57,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,22,180 प्रति 10 ग्राम के

स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,12,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,22,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,11,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,22,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,11,910 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,22,030 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,11,860 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,22,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,11,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,22,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,12,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,22,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,11,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,22,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,12,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,22,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

देश को डिजिटल क्रांति में अग्रणी बनाए रखने के लिए रिलायंस जियो तत्पर : आकाश अंबानी

नई दिल्ली। रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के चेयरमैन आकाश अंबानी ने बुधवार को कहा कि उनकी कंपनी भारत को डिजिटल क्रांति में सबसे आगे रखने के लिए तत्पर हैं। आज हमने सेमीकंडक्टर से लेकर धोखाधड़ी प्रबंधन तक पूरी वैल्यू चेन देखी और हम भारत को डिजिटल क्रांति में सबसे आगे रखने के लिए तत्पर हैं। रिलायंस जियो के अध्यक्ष आकाश अंबानी ने नई दिल्ली स्थित यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी 2025) के 9वें संस्करण पर अपने संबोधन में यह बात कही। आकाश अंबानी ने कहा कि इंडिया मोबाइल कांग्रेस में प्रदर्शित प्रौद्योगिकियों की पूरी मूल्य श्रृंखला सेमीकंडक्टर से लेकर धोखाधड़ी प्रबंधन समाधानों और आगामी 6-जी तक भारत की प्रगति को रेखांकित करती है। उनकी कंपनी यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि भारत डिजिटल क्रांति में सबसे आगे रहे। आज आईएमसी के लिए एक शानदार क्षण है और एक

देश के रूप में हम आगे बढ़ते हुए जो हासिल कर पाए हैं, वह भी एक उपलब्धि है। हम आज के स्टार्टअप्स को मूल्य श्रृंखला में नवाचार करते हुए देख पाए। प्रधानमंत्री मोदी के 25 साल के शासन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए एक क्रांतिकारी युग रहा है और हम उनके जैसा नेतृत्व पाकर भाग्यशाली हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पिछले 25 वर्षों से भारत को वैश्विक मानचित्र पर लाने की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की और कहा कि हम भाग्यशाली हैं कि हमें उनके जैसा नेता मिला है।

स्टॉक मार्केट में शील बायोटेक की जोरदार एंट्री, फायदे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। बायोटेक्नोलॉजी सेक्टर की कंपनी शील बायोटेक के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 63 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के इमर्ज प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 44.44 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 91 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर 95.55 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। हालांकि, दिन के कारोबार में बिकवाली दबाव भी बना, जिसकी वजह से इस शेयर का अपर सर्किट ब्रेक भी हुआ, लेकिन दिन के दूसरे सत्र में ये शेयर एक बार फिर 95.55 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया और उसी स्तर पर बंद हुआ। इस तरह पहले दिन का कारोबार होने के बाद शील बायोटेक के आईपीओ निवेशकों को 51.67 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। शील बायोटेक का 34.02 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 15.97 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स

(क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 19.73 गुना सब्सक्राइब हुआ था। नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 25.92 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 9.56 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 54 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 5.08 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 10.47 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 10.64 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

शरवरी वाघ ने दशहरे पर शुरू की इम्तियाज अली की फिल्म की शूटिंग

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी वाघ ने अपनी अगली बड़ी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस बात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर की। इस फिल्म का निर्देशन इम्तियाज अली कर रहे हैं। इस फिल्म में वेदांग रैना उनके अपोजिट दिखाई देंगे। दशहरे के शुभ अवसर पर अभिनेत्री शरवरी वाघ ने यह खुशखबरी फैंस के साथ साझा की। उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने बताया कि वह पूजा के लिए घर पर नहीं आ सकीं। इसके बजाय उन्होंने अपने कमरे में फिल्म की स्क्रिप्ट के साथ एक छोटी सी पूजा की और फिल्म की शुरुआत की। इस तस्वीर में एक नोटबुक भी रखी है, जिस पर उन्होंने कुछ लिखा था और जिसे ताजा गुड़हल के फूलों से सजाया गया था। इसे शेयर करते हुए शरवरी ने लिखा, "आज पूजा के लिए घर पर नहीं आ सकी, इसलिए मैंने अपने कमरे में स्क्रिप्ट के साथ अपनी छोटी सी पूजा की। दशहरा की शुभकामनाएं। एक बेहद खास निर्देशक और टीम के साथ एक बेहद खास फिल्म की शूटिंग शुरू कर रही हूं।" जून में इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा की गई थी। उस समय शरवरी ने उत्साह और आभार व्यक्त करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा था, "मेरे जन्मदिन पर यह घोषणा देखकर मुझे बहुत आश्चर्य हुआ। अब तक का सबसे अच्छा जन्मदिन। इम्तियाज अली सर, जब से मैंने एक अभिनेत्री बनने का सपना देखा है, तब से मैं आपके निर्देशन में काम करने के लिए तत्पर थी। यह मेरे लिए सीखने का सबसे अद्भुत अनुभव होगा। आपके विजन का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। मुझे चुनने के लिए धन्यवाद। इस ड्रीम टीम का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लग रहा है। इस नए सफर के लिए बेहद उत्साहित हूं।" शरवरी वाघ ने 2021 में यशराज की फिल्म बंटी और बबली 2 से करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में रानी मुखर्जी, सैफ अली खान और सिद्धांत चतुर्वेदी जैसे कलाकार भी थे। उन्हें पिछले साल रिलीज हुई फिल्म मुंज्या के लिए भी जाना जाता है। वह बहुत जल्द फिल्म अल्फा में अभिनेत्री आलिया भट्ट के साथ दिखाई देंगी। इस फिल्म में बॉबी देओल भी अहम किरदार निभाते दिखाई देंगे।

हुमा कुरैशी की नई फिल्म सिंगल सलमा का ऐलान, रिलीज तारीख से उठा पर्दा

सनी सिंह- श्रेयस तलपड़े संग करेंगी कॉमेडी

अभिनेत्री हुमा कुरैशी को इन दिनों फिल्म जॉली एलएलबी 3 में देखा जा रहा है, जिसमें वह अक्षय कुमार की पत्नी की भूमिका निभा रही हैं। उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। अब हुमा की नई फिल्म का ऐलान हो गया है, जिसका नाम सिंगल सलमा है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान नचिकेत सामंत ने संभाली है। इसके साथ सिंगल सलमा की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। सिंगल सलमा 31 अक्टूबर, 2025 को दर्शकों के बीच आएगी, फिल्म का पहला पोस्टर भा सामने आ गया है, जिसमें हुमा समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है। पोस्टर में हुमा कुरैशी बिल्कुल सहज-स्वाभाविक अंदाज में नजर आ रही हैं. वे एक बेंच पर आराम से बैठी हैं, जैसे किसी गाड़ी का इंतजार कर रही हों. उनके बगल में एक पुराना-सा सूटकेस रखा है. वहीं, इसके पीछे की तरफ फिल्म के बाकी कलाकार खड़े दिख रहे हैं- शायद वे सलमा के जीवन के उन ट्विस्ट्स का प्रतीक हों, जो आने वाले सीन में धमाल मचाएंगे. निर्माताओं ने लिखा, लखनऊ और लंदन- दो शहर, दो लड़के और एक सवाल- आखिर कौन बनेगा सिंगल सलमा का बालमा, किससे होगी सलमा की शादी? फिल्म में सनी सिंह और श्रेयस तलपड़े जैसे कलाकार भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का प्रोडक्शन भी कम धांसू नहीं है. इसे प्रोड्यूस आलोक जैन, अजीत अंधरे, साकिब सलीम, 3 एंटरटेनमेंट, लालालैंड एंटरटेनमेंट और फिरुजी खान ने मिलकर किया है.

श्रद्धा कपूर ने किया एनिमेटेड फिल्म छोटी स्त्री का ऐलान, 'स्त्री 3 से पहले थिएटर में देगी दस्तक

बॉलीवुड की लोकप्रिय हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी 'स्त्री के फैंस के लिए बड़ी खबर सामने आई है। अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने घोषणा की है कि उनकी फिल्म पर आधारित एक एनिमेटेड वर्जन 'छोटी स्त्री जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देगा। यह फिल्म बच्चों से लेकर बड़ों तक, हर उम्र के दर्शकों के लिए खास तौर पर तैयार की जा रही है। श्रद्धा कपूर ने यह ऐलान मैडॉक फिल्म्स की आने वाली फिल्म 'थामा के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में किया। इस मौके पर प्रोड्यूसर दिनेश विजान और एक्टर आयुष्मान खुराना भी मौजूद थे। श्रद्धा ने कहा कि मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स 'छोटी स्त्री लेकर आ रहा है। यह थिएटर में सभी उम्र के दर्शकों के लिए रिलीज होगी और भारत के लिए यह एक बेहद रोमांचक समय होगा। 2018 में आई पहली 'स्त्री फिल्म ने दर्शकों को डर और कॉमेडी का मिश्रण दिखाया था। इसके बाद 'रूही, 'भेड़िया और हाल ही में 'मुंज्या जैसी फिल्में इसी यूनिवर्स का हिस्सा बनीं। 2024 में रिलीज हुई 'स्त्री 2 ने तो बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर सबसे बड़ी हिंदी हिट का खिताब हासिल किया। अब 'छोटी स्त्री इसी कड़ी में एक नया अध्याय जोड़ने जा रही है। फिल्म के निर्माता दिनेश विजन ने खुलासा किया कि 'छोटी स्त्री का सबसे बड़ा सरप्राइज इसका अंत होगा। इसे अमर कौशिक और निरेन भट्ट ने कॉन्सेप्चुअलाइज किया है और इसकी कहानी सीधे 'स्त्री 3 से जुड़ जाएगी। यानी एनिमेशन फिल्म का अंत एक लाइव-एक्शन सीन से होगा, जो 'स्त्री 3 की शुरुआत करेगा और दर्शकों को स्त्री की बैकस्टोरी से रूबरू कराएगा। इस बार फ्रेंचाइजी का टारगेट हैं बच्चे और उनके परिवार। श्रद्धा कपूर का मानना है कि बच्चे और बड़े सभी साथ बैठकर 'छोटी स्त्री का मजा ले पाएंगे। इससे यह फिल्म मनोरंजन का नया अनुभव बनकर उभरेगी। बता दें शुक्रवार को मैडॉक फिल्म्स की एक और फिल्म 'थामा का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इसमें आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना, नवाजुद्दीन सिद्दिकी और परेश रावल अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'मुंज्या फेम डायरेक्टर आदित्य सर्पोटदार ने इसे डायरेक्ट किया है और यह फिल्म 21 अक्टूबर को थिएटर में रिलीज होगी।

12 की उम्र में श्वेता तिवारी ने की थी सिर्फ 500 रुपये के लिए नौकरी

मेहनत से बनीं घर-घर की प्रेरणा

टीवी से अपने करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। एक्ट्रेस ने टीवी पर तो छाप छोड़ी ही, लेकिन अब सीरीज और फिल्मों में अपना दबदबा बना रही हैं। शनिवार को एक्ट्रेस अपना 45वां जन्मदिन मना रही हैं। एक्ट्रेस की पर्सनल से लेकर प्रोफेशनल लाइफ सुर्खियों में रही है। एक्ट्रेस ने 500 रुपये से कमाना शुरू किया और आज लाखों कमा रही हैं। श्वेता तिवारी को सबसे पहले 1999 में आए शो कलीरे में देखा गया था, जिसके बाद सीरियल कसौटी जिंदगी की ने एक्ट्रेस की दुनिया बदल दी, क्योंकि एक्ट्रेस प्रेरणा बनकर घर-घर छा गई। प्रेरणा और अनुराग की जोड़ी आज भी याद की जाती है। श्वेता तिवारी ने खुद इस बात का खुलासा किया था कि पहले सीरियल की शूटिंग लगातार 72-72 घंटे होती थी। घर जाने का समय नहीं मिलता था और पे चेक भी 30 का नहीं, बल्कि 45 दिन का मिलता था। श्वेता तिवारी ने 12 साल की उम्र से कमाना शुरू कर दिया था, क्योंकि उनका परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। अपने परिवार की मदद करने के लिए एक्ट्रेस ने 12 साल की उम्र में ट्रैवल एजेंसी में काम किया। उस वक्त एक्ट्रेस की पहली कमाई 500 रुपये थी, लेकिन आज एक्ट्रेस एक एपिसोड का लगभग 3 लाख रुपये चार्ज करती हैं और अकेले अपने दोनों बच्चों को पाल रही हैं। एक्ट्रेस ने 15 साल की उम्र में टीवी पर कदम रखा और दूसरे ही सीरियल से छा गई, लेकिन इसके साथ ही श्वेता की पर्सनल लाइफ काफी उतार-चढ़ाव भरी रही। श्वेता को छोटी उम्र में ही प्यार हो गया और 18 साल की उम्र में उन्होंने भोजपुरी एक्टर राजा चौधरी से शादी कर ली। दोनों को एक बेटी पलक हुई, लेकिन घरेलू हिंसा और मारपीट के आरोप के बाद दोनों का तलाक हो गया। जिसके बाद एक्ट्रेस ने सेट पर मिले एक्टर अभिनव कोहली से शादी की और बेटे रेयांश को जन्म दिया। हालांकि यहां भी रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं चल पाया और शादी के तीन साल बाद ही दोनों का तलाक हो गया।

अवतार : फायर एंड ऐश का नया ट्रेलर रिलीज, अब पेंडोरा की दुनिया में होगी नई शुरुआत

जेम्स कैमरून एक बार फिर दर्शकों को पेंडोरा की अद्भुत दुनिया में ले जाने के लिए तैयार हैं. उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म अवतारः फायर एंड ऐश का एक और धमाकेदार ट्रेलर अब रिलीज हो चुका है. फिल्म इस साल 19 दिसंबर को भारत भर में छह भाषाओं अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज की जाएगी. फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के साथ दर्शकों को एक और बड़ा तोहफ़ा मिलने वाला है. अवतारः द वे ऑफ वॉटर 2 अक्टूबर से सिर्फ एक हफ्ते के लिए सिनेमाघरों में 3डी में दोबारा रिलीज होगी. इस मौके पर दर्शकों को बड़े पर्दे पर अवतारः फायर एंड ऐश का नया ट्रेलर भी देखने का एक्सक्लूसिव अनुभव मिलेगा. इस नए अध्याय में मरीन से नावी बने जेक सुली (सैम वर्थिंगटन), उनकी पत्नी और योद्धा नेयतिरी (ज़ो सल्डाना) और उनका परिवार दर्शकों को पेंडोरा के और गहरे रहस्यों से परिचित कराएंगे. फिल्म में सिगॉर्नी वीवर, स्टीफ़न लैंग, ऊना चैपलिन, क्लिफ़ कर्टिस, ब्रिटेन डाल्टन, ट्रिनिटी ब्लिस, जैक चैम्पियन, बेली बैस और केट विंसलेट जैसे दिग्गज कलाकार भी नज़र आएंगे. फिल्म का स्क्रीनप्ले जेम्स कैमरून, रिक जाफा और अमांडा सिल्वर ने लिखा है, जबकि कहानी जेम्स कैमरून, रिक जाफ़ा, अमांडा सिल्वर, जोश फ्रीडमैन और शेन सालेरनो ने मिलकर गढ़ी है. इस बार कैमरून दर्शकों को पहले से कहीं ज़्यादा भव्य और भावनात्मक सफ़र पर ले जाने का वादा कर रहे हैं. अवतारः फायर एंड ऐश के ट्रेलर ने सोशल मीडिया पर पहले ही हलचल मचा दी है. विज़ुअल्स, बैकग्राउंड स्कोर और कहानी की झलक देखकर दर्शकों का कहना है कि यह फिल्म साल की सबसे बड़ी सिनेमाई घटना साबित होगी. ट्रेलर की शुरुआत ऊना चैपलिन द्वारा अभिनीत वरंग के परिचय से होती है. वह ऐश पीपल की मुखिया हैं, जिन्हें मंगक्वान कबीले के नाम से भी जाना जाता है. उनकी भयावह कहानी सामने आती है जिसमें पहाड़ों से आई आग ने उनके जंगल को जलाकर राख कर दिया और वे कहते हैं कि एवा उनकी मदद के लिए कभी नहीं आई. उन्हें लगा कि उनके देवता ने उन्हें ठुकरा दिया है और वे हताश और क्रोधित हो गए. यही रहस्य उन्हें बाकी नावी कबीलों से अलग करने का कारण बनता है और उन्हें कहानी का सबसे खतरनाक खलनायक बनाता है. फुटेज में जेक, नेयतिरी, टोनोवारी और रोनल, पंडोरा के व्हेल जैसे जीवों, तुल्कुन से मिलते हुए भी दिखाई दे रहे हैं. उन नौ जीवों से घिरे होने के कारण, यह एक युद्ध-भेंट जैसा लगता है. ये नेता शायद आरडीए और ऐश पीपल के खिलाफ तुल्कुन की मदद मांग रहे हैं. ट्रेलर के सबसे बड़े खुलासों में से एक स्पाइडर का ट्रांसफॉर्मेशन है. ऐसा लगता है कि ईवा उससे जुड़ गई है, जिससे वह बिना मास्क के पेंडोरा पर सांस लेने वाला पहला इंसान बन गया है. स्पाइडर को नावी-शैली के न्यूरल क्यू के जरिए एक जलीय जीव, इलू, के साथ भी घुलते-मिलते दिखाया गया है. इससे पता चलता है कि ईवा ने उसे इंसान से बढ़कर कुछ बना दिया है , नावी की दुनिया का एक ऐसा हिस्सा जिस तरह कोई और इंसान पहले कभी नहीं बना. एक और आकर्षक सीन तब आता है जब नेयतिरी लाल और काले रंग के चेहरे पर रंग लगाती दिखाई देती है, जो ऐश पीपल के रंग हैं. इससे सवाल उठता है कि क्या उसने दुश्मन के बीच घुसपैठ की है, या उसे उनके साथ शामिल होने के लिए लुभाया जा रहा है? ट्रेलर में आगे, उसे वरंग के साथ हवाई युद्ध करते हुए दिखाया गया है, यहां तक कि एक तीर से उसकी छाती भी छलनी हो जाती है, यह एक अस्थायी भेष है या उसकी कहानी में एक गहरा मोड़, यह अभी भी एक रहस्य बना हुआ है. ट्रेलर में वरंग और क्वारिच के बीच एक अजीबोगरीब साझेदारी का भी संकेत मिलता है. दोनों को त्साहेलु, यानी नावी बॉन्ड, निभाते हुए दिखाया गया है. यह गठबंधन से कहीं ज्यादा हो सकता है, यह रोमांस का संकेत देता है, और पावर कपल बनाता है जो जेक और उसके लोगों के खिलाफ युद्ध छेड़ता है. किरी का एवा से रहस्यमय संबंध भी गहरा होता जाता है. उसे योद्धा मां कहकर पुकारा जाता है और वह पानी के नीचे अपनी चमकीली क्षमताओं का परीक्षण करती है. उसकी कहानी शायद पेंडोरा के जीवित रहने की कुंजी हो सकती है. प्रशंसक जेक को टोरुक, महान लियोनोप्टेरिक्स, के साथ फिर से मिलते हुए देखकर रोमांचित होंगे. द वे ऑफ वॉटर में अनुपस्थित, यह फिर से उड़ान भरता है और एक शानदार दृश्य में आरडीए जहाजों से लड़ने में जेक की मदद करता है. सुली परिवार नेतेयम की मौत का शोक मना रहा है. नए दुश्मनों, विश्वासघात और बड़ी लड़ाइयों के साथ, दांव पहले से कहीं ज़्यादा बढ़ गए हैं. कहानी का अंत स्पाइडर और क्वारिच को मारने की चाहत के साथ होता है, जो पिता और पुत्र के बीच संघर्ष के रूप में सामने आता है. खूबसूरत सीन, चौंकाने वाले मोड़ और भावनात्मक होने के साथ, अवतारः फायर एंड ऐश कैमरून की सबसे गहरी फिल्म और अब तक की उनकी सबसे महत्वाकांक्षी साहसिक फिल्म है.

Justice Soumen Sen sworn in as chief justice of Meghalaya HC

AGENCIES

Shillong : Justice Soumen Sen was sworn in on Wednesday as the Chief Justice of the Meghalaya High Court in a solemn ceremony held at the Raj Bhavan in Shillong. The oath of office was administered by Meghalaya Governor C.H. Vijayashankar in the presence of distinguished guests and dignitaries. Justice Sen succeeds Justice Indra Prasanna Mukerji, who retired on September 5 after reaching the age of superannuation. Following Mukerji's retirement, Justice Hamarsan Singh Thangkhiew had been serving as the Acting Chief Justice until the new appointment. The ceremony was attended by judges of the Meghalaya High Court, Chief Minister Conrad K. Sangma, Leader of the Opposition Dr Mukul Sangma, members of the state cabinet, senior officials of the government, members of the legal fraternity, and other prominent personalities. The occasion marked an important transition for the state's judiciary as Justice Sen officially took charge as the 14th Chief Justice of the Meghalaya High Court. Born in 1965 in Kolkata, Justice Soumen Sen completed his legal education from the University of Calcutta and enrolled as an advocate in 1987. Over the course of his career, he built a distinguished reputation in civil, constitutional, and commercial law. He was elevated as a judge of the Calcutta High Court in 2011 and had briefly served as its Acting Chief Justice before being transferred to Meghalaya. Justice Sen's appointment was recommended by the Supreme Court Collegium earlier this year and subsequently approved by the Union Government. His transfer is part of a larger series of judicial appointments and reshuffles aimed at strengthening the leadership of various High Courts across the country. With his assumption of office, Justice Sen is expected to bring his vast judicial experience and administrative acumen to the Meghalaya High Court, focusing on improving judicial efficiency and ensuring timely justice delivery. His tenure is seen as an opportunity to further enhance the credibility and functioning of the judiciary in the state.

EC's Credibility at Stakes in East Champaran as Officials Defy Rules ahead of Poll

Sagar Suraj

MOTIHARI: As Bihar approaches its crucial assembly elections, concerns are mounting over the involvement of government employees in partisan political activities in East Champaran district. Despite clear directives from the Election Commission (EC) to maintain neutrality and distance from political campaigning and parties to ensure free and fair polls, several government servants, including teachers and agriculture coordinators, have been observed actively supporting political parties and candidates. Reports from across East Champaran reveal that some government employees are openly campaigning during work hours or even traveling to Patna to lobby for tickets for favored political leaders. This defiance not only violates election protocols but also undermines the integrity of the electoral process. Although political parties have not yet officially declared their candidates for the 243 assembly constituencies in Bihar, the premature and unauthorized engagement of government staff raises serious questions. Two verified incidents have come to light, exposing this troubling trend. In one case, a middle school teacher in the Balua locality of Ujjain Lohiyar in Harsiddhi block was caught campaigning for a political party during school hours. Videos and images circulated widely on social media confirm her political involvement. Villagers claim she frequently leaves the school unattended, leaving her

husband to manage teaching duties while she campaigns. Local education officials' apparent complicity in allowing this behavior points to a wider network of political patronage that shields her activities. After being confronted, the block education officer managed to bring the teacher back to school temporarily, but she soon resumed her campaigning. Even more startling is the case of an agriculture advisor from Harsiddhi block who was absent from an official weekly meeting on Tuesday and was tracked to Patna without authorization. Locals allege he was in the city to secure election tickets for an RJD candidate in Harsiddhi. The block agriculture officer has issued a show cause notice to this employee for engaging in prohibited political activity. Although the agriculture advisor sent a leave request via WhatsApp after the incident, this after-the-fact communication does little to dispel concerns. The Chief Election Commission has pledged to conduct free and peaceful elections, but these breaches by government personnel cast doubt on the robustness of that assurance in East Champaran. The district returning officer and district magistrate, Saurabh Jorwal, has been informed of the allegations but has yet to respond to the 'reporter'. As the election approaches, stricter enforcement of electoral norms and accountability for violators are urgently needed to uphold the democratic process and maintain public trust. The situation in East Champaran serves as a warning sign that despite official assurances, political neutrality among government servants remains a significant challenge. Addressing this issue transparently and decisively will be critical for ensuring that Bihar's assembly elections are conducted fairly and without undue influence.

India Mobile Congress 2025, Asia's Largest Tech Event

New Delhi: Prime Minister Narendra Modi inaugurated the 9th edition of the India Mobile Congress (IMC) 2025 at the Yashobhoomi Convention Center in Delhi on Wednesday morning. It is Asia's largest telecom, media, and technology event, with representatives and companies from over 150 countries, including India, participating. The event is jointly organized by the Department of Telecommunications (DoT) and the Cellular Operators Association of India (COAI). This year's theme is "Innovate to Transform." Speaking at the inaugural ceremony, Union Communications Minister Jyotiraditya Scindia said that India's telecom revolution today is based on the four "Ds": democracy, demography, digital first, and delivery. He said, "The price of 1 GB of data in 2014 was 287, which has now come down to just 9.11. This change is not just a technological revolution, but a revolution of a developed India." Scindia said that under the leadership of Prime Minister Narendra Modi, India is no longer a "technology follower" but a "digital flagbearer."

NALCO and CTTC sign MoU to empower Youth with Industry-Ready Skills

Bhubaneswar: National Aluminium Company Limited (NALCO), the Navratna CPSE under the Ministry of Mines, Government of India, has taken a significant step towards empowering rural youth through skill development by signing an MoU to implement a skill training programme for youth from the peripheral villages of NALCO's operational units at Damanjodi and Angul. In this context, an MoU was signed between NALCO Foundation – the CSR arm of NALCO and the Central Tool Room and Training Centre (CTTC), Bhubaneswar, an autonomous body under the Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises (MSME),Government of India, on 7th October 2025 at NALCO Corporate Office. As part of the initiative, 20 youths each from the peripheral villages of NALCO's Mines & Refinery Complex, Damanjodi, and Smelter & Power Complex, Angul, totaling 40 youths, will be sponsored for a five-month residential training programme at CTTC, Bhubaneswar. The MoU was signed in the presence of Shri Brijendra Pratap Singh, CMD, NALCO, and Directors including Shri Pankaj Kumar Sharma, Director (Production); Dr. Tapas Kumar Pattnayak, Director (HR); Shri Abhay Kumar Behuria, Director (Finance); and other senior officials from NALCO, NALCO Foundation and CTTC Bhubaneswar. Appreciating the initiative, Shri Brijendra Pratap Singh said that the programme would equip local youth with industry-ready skills and open doors to sustainable livelihood opportunities. He further underscored that such CSR interventions have the potential to set a benchmark in the region by nurturing local talent and building confidence among the youth. Worth mentioning, the training will be conducted in alignment with the National Skills Qualification Framework of the National Skill Development Council, Government of India. The initiative is part of NALCO's continued commitment to community development and sustainable livelihood under its Corporate Social Responsibility efforts.

Shiv Sena symbol row: SC to hear Uddhav Thackeray's plea on November 12

AGENCIES

New Delhi : The Supreme Court on Wednesday fixed November 12 for hearing the plea filed by Uddhav Thackeray against the order of the Election Commission of India (ECI) that had allotted party name 'Shiv Sena' and its iconic election symbol 'Bow and Arrow' to the Eknath Shinde-led faction. A Bench of Justices Surya Kant, Ujjal Bhuyan, and N. Kotiswar Singh agreed to fix the matter for hearing next month after senior advocate Kapil Sibal, representing Uddhav Thackeray, submitted that the matter required urgent consideration as local polls in Maharashtra are scheduled for January 2026. "We will hear all the parties on November 12, and if need arises, we can continue the hearing on November 13," the apex court said. Sibal also sought an urgent hearing on another plea filed by the Shiv Sena(UBT) faction. The plea challenged the ruling of the Maharashtra Assembly Speaker, who declined to disqualify 16 MLAs from the ruling camp, including then Chief Minister Eknath Shinde, holding that the Shinde group constituted the real "Shiv Sena" as it commanded a majority in both the legislature and the party's National Executive. To this, the Justice Kant-led Bench remarked that Sibal should obtain the permission of the Chief Justice of India (CJI), who is the master of the roster, for a joint hearing since the other petition is pending before a different Bench. Earlier in March 2023, the apex court had refused to stay the ECI decision recognising the Eknath Shinde faction as the official Shiv Sena and granting it the party name and symbol. However, it agreed to entertain a plea by Uddhav Thackeray challenging the decision. "We cannot pass an order to stay the Election Commission order. We are entertaining the SLP (special leave petition by Thackeray against the EC order). We cannot stay the EC order today," remarked a bench headed by then Chief Justice of India (CJI) D.Y. Chandrachud. Thackeray, in his plea filed before the apex court, contended that the poll body has failed to appreciate that he enjoys overwhelming support in the rank and file of the party. Further, the plea alleged that the ECI has failed to discharge its duties as a neutral arbiter of disputes under para 15 of the Symbols Order and has acted in a manner undermining its constitutional status.

TN declares red alert in three districts as dengue cases surge

AGENCIES

Chennai: The Tamil Nadu government has declared a red alert in three districts -- Chennai, Tiruvallur and Coimbatore -- following a sharp rise in dengue cases over the past two to three weeks. Health authorities have been directed to intensify mosquito-control measures and strengthen hospital preparedness as the state witnesses a worrying spike in fever-related illnesses. According to the Directorate of Public Health, Tamil Nadu has recorded more than 15,000 dengue cases so far this year, with the pace of infections increasing in

recent weeks due to erratic weather patterns. The Aedes aegypti mosquito, which breeds in stagnant water, has been identified as the primary cause of the outbreak. Chennai has reported the highest number of cases, with 3,665 dengue infections confirmed among 12,264 people who sought treatment for fever. In Tiruvallur, 1,171 dengue cases have been reported out of 9,367 fever cases, while Coimbatore recorded 1,278 dengue infections among 7,998 patients, health officials said. State Health Minister Ma. Subramanian, in a statement, said that eight dengue-related deaths have been reported so far this year.

"We have instructed all district health teams to speed up preventive measures and raise public awareness. Special mosquito eradication drives are underway, and hospitals are on high alert," he said.\ The minister also said that he has directed Joint Directors of Health Services to work closely with local bodies to clear stagnant water in residential areas, inspect overhead tanks, open drains, and fumigate mosquito-prone localities. They have also been told to issue advisories urging the public to avoid exposure to mosquito breeding sites such as ponds, streams, and unused water containers. Doctors in both government and private hospitals have been instructed to carefully monitor patients with suspected dengue symptoms and ensure early diagnosis to avoid complications.

Telangana issues public alert for two more cough syrups

AGENCIES

Hyderabad: Telangana Drugs Control Administration on Wednesday issued 'stop use' (public alert) notice regarding two more cough syrups found adulterated with Diethylene Glycol (DEG), a toxic substance. It has cautioned people to immediately stop using Relife and Respifresh TR syrups.

This comes four days after Drugs Control Administration issued 'stop use' notice for Coldrif syrup in view of the deaths of children in Madhya Pradesh and Rajasthan. The Drugs Control Administration issued 'stop use' notice for Relife (Ambroxol Hydrochloride, Guaiphenesin, Terbutaline Sulphate and Menthol Syrup); Batch No LSL25160; expiry date 12/2026 and manufactured by Shape Pharma Pvt. Ltd, Gujarat. The other cough syrup is Respifresh TR (Bromhexine Hydrochloride, Terbutaline Sulphate, Guaiphenesin and Menthol Syrup); Batch No R01GL2523; Expiry Date 12/2026 and manufactured by Rednex Pharmaceuticals Pvt. Ltd., Gujarat.

Govt aims to achieve carbon neutrality in textiles sector by 2030: Minister

AGENCIES

New Delhi : The government not only aims to achieve the $350 billion textiles sector target by 2030, including $100 billion in exports, but also move towards carbon neutrality, according to Textiles Minister Giriraj Singh. He stressed that cotton is not merely a crop - it is the very soul of Indian agriculture, a reflection of the farmer's sweat, resilience, and hope. Speaking at an event jointly organised by the Ministry of Textiles and Confederation of Indian Textile Industry (CITI), the minister conveyed his wishes to cotton farmers on World Cotton Day as "each thread of cotton carries the story of our farmers - of their hard work under the scorching sun, their prayers for rain, and their unwavering faith in the soil." The Minister noted that climate change and environmental

sustainability pose major challenges to the sector. He emphasised that the climate is changing, and we must use water and electricity judiciously and work together to protect nature. "Efficient water use, soil conservation, and adoption of renewable energy are vital to protect India's predominantly rain-fed cotton regions and to ensure that the hard work of farmers leads to prosperity for generations to come," said Singh.

Semiconductors to play same role as 'Charkha' once did for us: Scindia

AGENCIES

New Delhi : Union Minister for Communications and Development of the North-East Region, Jyotiraditya M. Scindia, on Wednesday compared semiconductors to 'charkha', saying they symbolise India's journey toward self-reliance in the modern era. Speaking at the India Mobile Congress (IMC) 2025 here, Scindia said semiconductors today represent the same spirit of Swadeshi and self-

sufficiency that the charkha once did during India's freedom struggle. "India is hosting a Startup World Cup where 500 companies will compete for funding. The country is witnessing a DSS revolution: Designing in India, Solving for India, and Scaling from India," Scindia said. Highlighting India's rapid progress in the digital and telecom sectors, the minister said that under Prime Minister Narendra Modi's leadership, the country is witnessing a new technological revolution powered by the 4D system -- Democracy, Demography, Digital-first approach, and Delivery. "Today, India's telecom revolution is built on the 4Ds: democracy, demography, digital-first approach, and delivery," Scindia stated.